शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 222 | गुवाहाटी | बुधवार, 18 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बच्चों को पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी : राष्ट्रपति पेज 2

मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में असम में विकास व सांस्कृतिक पहचान को मिली... पेज 3

जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, एक मई से शुरू होगा मकानों की गणना का काम पेज 5

आरसीबी अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल सकेगी आईपीएल मैच पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

नीतिवान पुरुष कार्य प्रारंभ करने से पूर्व ही देश-काल की परीक्षा कर लेते हैं।

- आचार्य चाणक्य

पाकिस्तान की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक, 400 की मौत, 250 घायल

तालिबान ने कहा-बातचीत खत्म, बदला लेंगे

काबुल (हि.स.)। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच चल रहे टकराव ने सोमवार रात भीषण रूप ले लिया। पाकिस्तान ने काबुल के एक अस्पताल पर हमला किया जिसमें कम-से-कम 400 लोगों के मारे जाने और बड़ी संख्या में 250 लोगों के घायल होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि पाकिस्तान का दावा है कि उसने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ताजा हमले के बाद अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने साफ कर दिया है कि अब बातचीत और कूटनीति का समय खत्म हो चुका है और अफगानिस्तान इसका बदला लेगा। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच एक महीने से चल रहे टकराव के बीच स्थितियां तेजी से बिगड़ रही हैं। पाकिस्तान की तरफ से देर रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया है। हमले में अस्पताल को काफी नुकसान हुआ है। इमारत का ज्यादातर हिस्सा आग लगने के कारण तबाह हो चुका है। बताया जा रहा है कि हमले के समय इस केंद्र पर दो हजार से अधिक लोग मौजूद थे जिसमें कम-से-कम सौ लोगों की जान चली गई। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं जिनमें कई लोगों को नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसे देखते हुए मरने वालों की संख्या बढ़ने का अंदेशा है। पाकिस्तान की तरफ से नशा मुक्ति केंद्र के अलावा काबुल के कुछ अन्य ठिकानों पर हमले किए गए हैं। अफगानिस्तान के मीडिया समूह टोलो न्यूज के मुताबिक, अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात (आईईए) प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। उन उहोने कहा कि इन हमलों के बाद इस्लामाबाद के साथ कूटनीति और बातचीत का समय समाप्त हो गया है, अब बातचीत का रास्ता अपनाने के बजाय हम भी बदला लेने का इरादा रखते हैं। एरिना न्यूज के मुताबिक मुजाहिद ने एक बयान में कहा कि जिस अस्पताल में नशा मुक्ति के लिए मरीजों का इलाज चल रहा था, उस पर हमला किया गया, जिसके परिणामस्वरूप चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर रहे कई लोगों की जान चली गई। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य शासन ने एक -शेष पृष्ठ दो पर

काबुल के अस्पताल पर पाकिस्तान के *बर्बर* हवाई हमले की भारत ने की घोर निंदा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने 16 मार्च की रात काबुल के ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर पाकिस्तान के *बर्बर* हवाई हमले की घोर निंदा की है। भारत का कहना है कि यह हिंसा का एक *कायरतापूर्ण और अमानवीय* कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कल के घटनाक्रम पर आज एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पाकिस्तान का यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं -शेष पृष्ठ दो पर

इटानगर में भूस्खलन से गिरी दीवार, चार की मौत, तीन घायल

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर में भूस्खलन के कारण सोमवार शाम को दर्दनाक हादसा हो गया। जहां नीति विहार इलाके में भारी भूस्खलन के कारण एक दीवार ढह गई। दीवार की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। दरअसल, इटानगर के नीति विहार इलाके में सोमवार शाम यह हादसा उस वक्त हुआ, जब मजदूर वहां काम कर रहे थे। भूस्खलन के दौरान दीवार गिरने से वहां काम कर रहे सात लोग मलबे के नीचे दब गए। इस दौरान चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इटानगर राजधानी क्षेत्र (आईसीआर) के पुलिस अधीक्षक जुम्मार बासर ने बताया कि, इटानगर के नीति विहार इलाके में लगातार बारिश के कारण दीवार गिर गई, जिससे मलबे के नीचे मजदूर फंस गए। घटना के बाद, एसडीआरएफ की टीम, पुलिस और जिला प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचे और तलाशी व बचाव अभियान शुरू किया। एसपी जुमार बस ने बताया कि बचाव टीम ने मौके से चार शव बरामद किए हैं और तीन घायल लोगों को उपचार के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। घायल लोग फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। इटानगर के सहायक आयुक्त तामो दादा ने बताया कि यह भूस्खलन की घटना थी।

असम विधानसभा चुनाव-2026

राजग में सीट बंटवारे पर सहमति भाजपा 89 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आगामी असम विधानसभा चुनाव-2026 को लेकर कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भीतर सीटों के बंटवारे का फार्मूला लगभग तय हो गया है। इसके तहत असम गण परिषद (अगप) 26 सीटों पर, बोड़ोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शेष 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। नई दिल्ली में हुई अहम बैठक के बाद मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि चर्चा मुख्य रूप से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच गठबंधन की रणनीति और सीटों के तालमेल पर केंद्रित रही। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से भी साझा की गई है। डॉ. शर्मा ने बताया कि बैठक में भाजपा, बीपीएफ और अगप के बीच चुनावी तालमेल को अंतिम रूप देने के साथ-साथ उम्मीदवारों के चयन पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा का केंद्रीय संसदीय बोर्ड बुधवार शाम 7 बजे बैठक कर उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, उम्मीदवारों की पहली सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी। संभवत: देर रात या अगली सुबह तक। उन्होंने संकेत दिया कि इस बार सूची में कई नए चेहरों को मौका मिलेगा, जिनमें विशेष रूप से महिलाएं और युवा नेता शामिल होंगे। यह पार्टी के भीतर व्यापक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। परिसीमन का असर भी इस चुनाव में देखने को मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में हुए परिसीमन के कारण कई निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदली हैं, जिसके चलते कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से साफ है कि सत्ताधारी गठबंधन ने असम विधानसभा चुनाव-2026 के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है और जल्द ही उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा होने -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव 2026 : एनडीए से बाहर हुई यूपीपीएल

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन में अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहने के एक सप्ताह बाद, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने असम में अपना अलग रास्ता चुनने का फैसला किया है। मंगलवार (17 मार्च, 2026) को यूपीपीएल ने कहा कि उसने *वैचारिक मतभेदों* के कारण एनडीए से नाता तोड़ लिया है और वह 9 अप्रैल को होने वाले चुनाव में असम की 126 विधानसभा सीटों में से 21 पर चुनाव लड़ेगी। इनमें से छह निर्वाचन क्षेत्र यूपीपीएल के गढ़ बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) से बाहर हैं, जिसकी 15 सीटें तब महत्वपूर्ण हो जाती हैं जब राज्य में किसी -शेष पृष्ठ दो पर

कोई भी सनातनी हिंदू कांग्रेस में नहीं रह सकता : डॉ. शर्मा

नई दिल्ली (हि.स.)। असम में बढ़ती राजनीतिक अटकलों के बीच मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कांग्रेस के सांसद प्रद्युत बरदलै को खुले तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी उनका स्वागत करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने का मौका मिले। भाजपा की रणनीति बैठक में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने बैठक से इतर मीडिया से बात करते हुए साफ किया कि उन्होंने कांग्रेस नेता से निजी तौर पर संपर्क नहीं किया है, लेकिन उनका मानना है कि बरदलै के पास भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में बने रहने का कोई कारण नहीं हो सकता। डॉ. शर्मा ने कहा कि मैंने प्रद्युत बरदलै से संपर्क नहीं किया है, लेकिन मेरा मानना है कि उनके पास कांग्रेस में बने रहने का कोई कारण नहीं है। मैं उन्हें भाजपा में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी समेत असम के कई इलाकों में तूफान का कहर, घरों की छतें उड़ीं, बिजली आपूर्ति ठप

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की राजधानी गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में सोमवार रात आए तेज तूफान, बारिश और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई। तूफानी हवाओं के कारण कई जगह बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, वहीं बड़े-बड़े पेड़ों के गिरने से यातायात भी प्रभावित हुआ। अनेक घरों की टीन निर्मित छतें उड़ गईं और झोपड़ीनुमा मकानों को भारी नुकसान पहुंचा। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको क्षेत्र में तूफान ने 30 से अधिक गांवों को प्रभावित किया। तेज हवाओं ने घरों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया। अचानक आए इस मौसम परिवर्तन से लोग संभल भी नहीं पाए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि अब तक किसी के हताहत -शेष पृष्ठ दो पर

सोनोवाल ने शिवालिक और नंदा देवी के नाविकों को बताया वैश्विक व्यापार के नायक

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण हालात के बीच भारत के दो एलपीजी कैरियर जहाज शिवालिक और नंदा देवी के सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत पहुंचने पर बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जहाजों पर मौजूद भारतीय नाविकों को संबोधित किया। सोनोवाल ने इस दौरान और नाविकों के साहस, समर्पण तथा पेशेवराना दक्षता की सराहना की। सोनोवाल ने इन दोनों जहाजों के नाविकों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय नाविक वैश्विक व्यापार के नायक हैं, जो कठिन -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत विश्व शर्मा का कांग्रेस पर तीखा वार, बोले-

तुष्टिकरण की राजनीति के लिए असम को भूला

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया कि आंतरिक कलह केवल बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में ही चल रही है। नागांव में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कलह केवल बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम बहुल सीटों पर ही चल रही है। मैं शुरू से ही कहता आया हूं कि वे असम और असमिया लोगों के साथ नहीं हैं। उन्होंने बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों को अपनी आत्मा गिरवी रख दी है। विपक्ष पर वार करते हुए शर्मा ने कहा कि असम कांग्रेस को तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ देनी चाहिए और असम की -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल की सभी सीटों पर टीएमसी के उम्मीदवार घोषित

भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस बार 52 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जिसमें युवा तथा अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बार भी इसी सीट से चुनाव लड़ेंगी। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि दार्जिलिंग क्षेत्र की तीन सीटों पर तृणमूल चुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के साथ जंग में अकेले पड़े ट्रम्प, नाटो देश बोले-

ये हमारी लड़ाई नहीं, होर्मुज का रास्ता खुलवाने से इनकार

वॉशिंगटन। ईरान में खामेनेई समेत 40 से भी ज्यादा अधिकारियों के मारे जाने के बाद अमेरिका को यह जंग बड़ी कामयाबी नजर आ रही थी। लेकिन 17 दिन बाद हालात बदल चुके हैं। युद्ध का कोई साफ अंत नजर नहीं आ रहा है। ईरान ने जवाब में होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल आपूर्ति रोक दी, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट पहुंची है। ट्रम्प अब अपने सहयोगी नाटो देशों से होर्मुज में रास्ता खुलवाने की अपील कर रहे हैं। हालांकि इन देशों ने साफ कर दिया है कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अपने वॉरशिप नहीं भेजेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देश इस अहम समुद्री रास्ते को फिर से खोलने में मदद नहीं करते, तो नाटो का भविष्य खराब हो सकता है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी ने साफ कहा है कि वह -शेष पृष्ठ दो पर

लोस में विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन वापस लिया गया

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा ने मंगलवार को विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन वापस ले लिया। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया, जिसका ध्वनिमत से सभी ने एकमत होकर समर्थन किया। लोकसभा में बजट सत्र के पहले चरण में 3 फरवरी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नहीं बोलने देने के खिलाफ विपक्षी सदस्यों ने आसन के सामने आकर भारी विरोध प्रदर्शन किया था। उस संदर्भ में सदन की कार्यवाही में बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में 8 विपक्षी सांसदों को बजट सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित किया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सोमवार को सभी दलों के नेताओं संग हुई बैठक में इस मुद्दे को लेकर पक्ष-विपक्ष में चल रही तनातनी का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

LOST AND FOUND

मेरा नाम Davdas Gorh, पुत्र Late Bachan Singh Gorh, निवासी : बरपुखुरी चाय बागिचा, विश्वनाथ चारिआली, असम–784176। मेरा भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी (नं. 412745481) गुम हो गया है। अगर यह पॉलिसी (नं. 412745481) किसी भी सदाशय व्यक्ति को मिले तो तुरंत नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

मो. नं. :
7896171199

बच्चों को पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश के भविष्य हमारे बच्चे हैं और उन्हें पौष्टिक भोजन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा पांच अरब भोजन परोसने की उपलब्धि के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीएम पोषण के तहत चल रहा स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम अभिभावकों के लिए बच्चों को स्कूल भेजने का एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन साबित हुआ है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस योजना से बच्चों के नामांकन, उपस्थिति और स्कूल में टिके रहने की दर में वृद्धि हुई है, साथ ही उनकी सीखने की क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन *समग्र शिक्षा अभियान* के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सभी बच्चों को समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने पांच अरब भोजन उपलब्ध कराने की उपलब्धि को सराहनीय बताते हुए कहा कि कार्यक्रम की थीम *पोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत* हमारे राष्ट्रीय संकल्प *विकसित भारत 2047* को साकार करने में पोषण और शिक्षा की अहम भूमिका को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों की साझा जिम्मेदारी है। जब शिक्षक, अभिभावक, सामाजिक संगठन, कॉरपोरेट क्षेत्र और समाज के सभी लोग मिलकर कार्य करते हैं, तभी आने वाली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव तैयार होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अवसरों का निर्धारण करती है और उसे सशक्त बनाती है। स्कूल बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करता है। राष्ट्रपति ने पिछले 25 वर्षों से बच्चों में कुपोषण दूर करने और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के कार्य में जुटे अक्षय पात्र फाउंडेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चे केवल इस योजना के लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। आज उन्हें मिलने वाला पौष्टिक भोजन देश की मानव पूंजी में निवेश है, जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्कॉन के संस्थापक-आचार्य श्रील प्रभुपाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से यह नि:स्वार्थ खाद्य वितरण पहल शुरू हुई और आज एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। 25 वर्षों की यह यात्रा आसान नहीं रही। आज इस जनआंदोलन के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक भारत का शिक्षा क्षेत्र है। 16 राज्यों और 25 हजार से अधिक स्कूलों में आप प्रतिदिन 23.5 लाख बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे बच्चे और युवा सुपोषित नहीं होंगे, तब तक भारत अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त नहीं कर सकता। आज भारत का विकास केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक दक्षिण और मानवता के कल्याण के प्रति भी उसकी जिम्मेदारी है। यही *वसुधैव कुटुंबकम्* की हमारी भावना का सार है। अक्षय पात्र फाउंडेशन पीएम पोषण योजना के एक महत्वपूर्ण कार्यान्वयन भागीदार के रूप में उभरा है। गुणवत्ता, स्वच्छता और नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से इसने इस मिशन को और सशक्त बनाया है।

2033 तक देश के हर नागरिक को मिलेगा स्वास्थ्य बीमा का लाभ : सीतारमण

नई दिल्ली (हि.स.)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वर्ष 2033 तक देश के सभी नागरिकों को बीमा कवर के दायरे में लाया जाएगा। मंगलवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय बीमा क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह एक मजबूत और समावेशी इकोसिस्टम के रूप में उभर रहा है, जहां सरकार की नीतियों के कारण समाज के सबसे निचले तबके को भी सुरक्षा कवच मिल रहा है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में बीमा क्षेत्र का आकार 1,17,505 करोड़ रुपए हो गया, जिसके तहत देश के 58 करोड़ लोगों को कवर किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने 42,420 करोड़ रुपए का प्रीमियम जुटाया है। निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 37,752 करोड़ रुपए है। स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का योगदान 37,331 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में 2.51 करोड़ व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियां जारी हुईं, जिनसे 6.01 करोड़ लोगों को कवर मिला। इसके अतिरिक्त, 13.05 लाख ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों के जरिए 27.51 करोड़ सदस्य कवर किए गए हैं। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि वैश्विक स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति प्रीमियम 943 डॉलर है, जबकि भारत में यह केवल 97 डॉलर है। इस अंतर को पाटने के लिए सरकार कई लक्षित सुधार कर रही है। व्यक्तिगत प्रीमियम पर जीएसटी छूट और ग्रामीण व सामाजिक क्षेत्रों में बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए नियामक संस्था इरडा द्वारा 2024 में अधिसूचित नए नियम इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। इसके अलावा, बाजार में गहराई लाने और पैठ बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार दिसंबर 2025 में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए एक विधेयक लेकर आई।

प. बंगाल में हर विस सीट पर होगा एक पर्यवेक्षक : आयोग

कोलकाता (हि.स.)। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर व्यापक प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में कुल 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की है। इन राज्यों में पश्चिम बंगाल के अलावा तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे खास है, जहां सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए अलग-अलग सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। यह संख्या राज्य की कुल सीटों के बराबर है, जबकि अन्य राज्यों में सामान्य पर्यवेक्षकों की संख्या वहां की कुल सीटों से कम रखी गई है। सुरक्षा के लिहाज से भी पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 84 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। इसके मुकाबले तमिलनाडु में 40, असम में 35, केरल में 17 और पुडुचेरी में चार पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। वहीं व्यय पर्यवेक्षकों के मामले में तमिलनाडु शीर्ष पर है, जहां 151 पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल में 100 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। चुनाव आयोग ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया है कि वे 18 मार्च तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पहुंच जाएं। इसके बाद वे अपने संपर्क विवरण सार्वजनिक करेंगे और रोजाना तय समय पर उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और आम नागरिकों की चुनाव संबंधी शिकायतें सुनेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया कि ये नियुक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत की गई हैं। इन पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी चुनाव प्रक्रिया की निगरानी करना और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है।

रेलवे की प्रमुख दोहरीकरण परियोजना से असम में रेल क्षमता को मिलेगा बढ़ावा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री ने गत 13 मार्च को फरकाटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण परियोजना की आधारशिला रखी। कुल 194 किलोमीटर लंबी और लगभग 3634 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली यह महत्वपूर्ण परियोजना से रेल क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा। परिचालन दक्षता में सुधार होने के साथ-साथ ऊपरी असम तथा आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इस परियोजना से जुड़े कार्य एक सुनियोजित तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि पूसीरे के अधीन फरकाटिंग-न्यू तिनसुकिया सेक्शन एक महत्वपूर्ण रेल लिंक है, जो पैसेंजर और मालगाड़ी, दोनों तरह के परिवहन को सेवा प्रदान करता है। इस सेक्शन का दोहरीकरण मौजूदा रेल पटरियों पर भीड़ कम करने में मदद मिलेगी, जिससे ट्रेनों का परिचालन तेज, सुचारू और अधिक विश्वसनीय हो सकेगा। इस परियोजना से कई लंबी दूरी और इंटरसिटी सेवाओं के लाभ मिलने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में आर्थिक विकास को भी बढ़ावा प्रदान करेगी। सेक्शन पर कार्य फिलवक्त प्रगति पर है। इसके साथ ही लामडिंग-फरकाटिंग दोहरीलाइन का कार्य भी तेजी से अग्रसर है। लगभग 140 किमी लंबी लामडिंग-फरकाटिंग सेक्शन, पूसीरे के अधीन एक अहम रेल कॉरिडोर है।2024-25 के दौरान 2123.70 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के साथ अनुमोदित इस परियोजना का उद्देश्य, इस अंचल के व्यस्ततम एकल लाइन सेक्शन में से एक पर भीड़ कम करना है। यह दोहरीकरण परियोजना पूर्ण होने पर, ट्रेनों के परिचालन में काफ़ी सुधार होगा, यात्रा समय घटेगा और पैसेंजर एवं मालगाड़ी दोनों तरह के परिवहन की निर्बाध आवाजाही संभव होगी।

पृष्ठ एक का शेष

पाकिस्तान की अफगानिस्तान ...

बार फिर हमारे देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है और काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया है, जिससे इलाज करा रहे कई मरीज शहीद और घायल हो गए हैं। हम इस अपराध की कड़ी निंदा करते हैं और इसे सभी मानवीय और नैतिक मानकों के विरुद्ध मानते हैं। अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान और मोहम्मद नबी ने काबुल में किए गए हमलों में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। राशिद खान ने इससे जुड़ी तस्वीर साझा कर सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में लिखा कि काबुल में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के कारण नागरिकों की मौत की खबरें बेहद दुखद हैं। घरों, शैक्षणिक संस्थानों या चिकित्सा ढांचे को निशाना बनाना चाहे जानबूझकर हो या गलती से युद्ध अपराध है। मानव जीवन के प्रति इस तरह की अनदेखी, खासकर रमजान के पवित्र महीने में, बेहद चिंताजनक है और इससे समाज में नफरत और विभाजन बढ़ेगा। वहीं, मोहम्मद नबी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि काबुल में बीती रात एक अस्पताल पर हुए बम हमले ने उम्मीद को बुझा दिया और अस्पताल में इलाज कराने आए युवा इस हमले में मारे गए। नबी ने लिखा कि अस्पताल के बाहर माताएं अपने बेटों का नाम पुकारती हुई उनका इंतजार कर रही थीं और रमजान की 28वीं रात को उनकी जिंदगियां खत्म हो गईं। उन्होंने इस घटना को बेहद दर्दनाक बताया। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 21 फरवरी को एक हमले के बाद तनाव बढ़ा था। इसके जवाब में दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए जिसमें दोनों तरफ से लोगों की जान गई है।

विस चुनाव 2026 : एनडीए ...

भी राजनीतिक दल को स्पष्ट जनादेश नहीं मिलता है। यूपीपीएल के उपाध्यक्ष आरएन सिन्हा ने पश्चिमी असम के कोकराझाड़ कस्बे में पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी ने एनडीए छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें भाजपा और उसके वैचारिक सहयोगी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आक्रामक एजेंडा पसंद नहीं आया। उन्होंने लोगों से भाजपा और एनडीए को सत्ता से बाहर करने की अपील की, अन्यथा भविष्य में खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। बीटीआर का मुख्यालय कोकराझाड़ गुवाहाटी से लगभग 220 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। सिन्हा ने कहा कि हमारी विचारधारा भाजपा-आरएसएस से अलग है। हम एक धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल हैं, जबकि उनका अंतिम लक्ष्य भारत को एक हिंदू राष्ट्र बनाना है। एक बार ऐसा हो जाने पर, देश में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण समाप्त हो जाएगा। उन्होंने असम में यूपीपीएल की 21 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना की घोषणा करते हुए कहा कि आरएसएस हर राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री चाहता है ताकि समान नागरिक संहिता लागू हो सके। आरएसएस का एजेंडा मुसलमानों को प्रताड़ित करना है। भाजपा से खुद को अलग करने से कुछ घंटे पहले, यूपीपीएल ने सात उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। इनमें पार्टी के अध्यक्ष प्रमोद बोरो भी शामिल हैं, जो 9 मार्च को असम से राज्यसभा के तीन सदस्यों में से एक के रूप में चुने गए थे। श्री बोरो ने कहा कि वह यूपीपीएल के उम्मीदवार थे, जबकि भाजपा ने दावा किया कि वह एनडीए के उम्मीदवार थे। यूपीपीएल 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की सहयोगी पार्टी थी, और दोनों पार्टियों ने सितंबर 2025 तक पांच साल के लिए बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) पर एक साथ शासन किया। बीटीसी पांच जिलों से मिलकर बने बीटीआर का संचालन करता है। 2025 के बीटीसी चुनावों में जीत के बाद भाजपा ने बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को अपने पक्ष में करने की कोशिश की और दोनों पार्टियों ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे का समझौता किया, जिससे यूपीपीएल अधर में लटक गई। भूटान और पश्चिम बंगाल की सीमा से लगे बीटीआर क्षेत्र में यूपीपीएल और बीपीएफ कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं। उनके समझौते के अनुसार, बीपीएफ बीटीआर की 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और भाजपा चार सीटों पर उम्मीदवार होगी। दो अन्य सहयोगी दलों - असम गण परिषद और राभा हासोंग जौथा मंच - के साथ, ये दोनों पार्टियां अगले 48 घंटों के भीतर अपने उम्मीदवारों की सूची घोषित करने वाली हैं।

काबुल के अस्पताल ...

को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए यह शांति, चिंतन और दया का समय होता है। उन्होंने कहा कि जो कोई धर्म, कोई कानून और कोई नैतिकता किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित नहीं ठहरा सकती। प्रवक्ता ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि अफगानिस्तान में नागरिकों को निशाना बनाने के पाकिस्तानी अंधाधुंध हमले तत्काल बंद हो। भारत ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। साथ ही कहा है कि इस दुखद घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ हम एकजुटता से खड़े हैं। हम अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपने अटूट समर्थन को भी दोहराते हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से सैन्य संघर्ष जारी है। पाकिस्तान अफगानिस्तान की सीमा के भीतर आतंकी ठिकाने होने की बात करते हुए सैन्य हमला कर रहा है। कल ऐसा ही एक हमला ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल में हुआ। हमले में कम से कम 400 लोगों के मारे जाने का समाचार है।

गुवाहाटी समेत असम ...

होने की सूचना नहीं है। भेहुआ गांव में एक व्यक्ति के तीन घर पूरी तरह से ढह गए, लेकिन परिवार के सदस्य सुरक्षित बच निकले। तूफान का असर छोटे व्यवसायों पर भी पड़ा है। एक राशन दुकान की टीन की छत तेज हवाओं में उड़ गई, जिससे वहां रखा सामान खराब हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, तूफान के दौरान घरों का सामान, मवेशियों के रहने के स्थान और गोदामों में रखा सामान बुरी तरह प्रभावित हुआ। प्रभावित लोगों ने प्रशासन से तत्काल राहत, अस्थायी आश्रय, बिजली व्यवस्था की मरम्मत और नुकसान के मुआवजे की मांग की है। फिलहाल नुकसान का आधिकारिक आकलन नहीं किया गया है। वहीं पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले के खेरनी इलाके में भी तूफान और बारिश से भारी नुकसान हुआ है। जिरिम कार्बी, जिरिबासा, गोहाईं और दीथलेम गांवों में खासकर सुपारी (तामुल) और नारियल के पेड़ जड़ से उखड़ गए। कई जगह बिजली के खंभे गिर गए और ग्रामीणों के घरों की टीन की छतें उड़ गईं। होजाई जिले के लंका क्षेत्र के 2 नंबर नेपाली बस्ती में भी तूफान का व्यापक असर देखने को मिला। जिले के अन्य हिस्सों से भी नुकसान की खबरें सामने आई हैं, जहां तेज हवाओं ने घरों की छतें उड़ा दीं और संपत्ति को भारी क्षति पहुंचाई। तूफान के बाद मंगलवार सुबह से बिजली विभाग और वन विभाग की टीमें बिजली आपूर्ति बहाल करने और सड़कों से गिरे पेड़ों को हटाने में जुटी हुई हैं। प्रशासन हालात सामान्य करने के प्रयासों में लगा हुआ है।

राजग में सीट बंटवारे ...

की उम्मीद है। उधर भाजपा असम में अपने वर्तमान विधायकों में से ज्यादातर को दुबारा चुनाव में उतार सकती है। वर्तमान विधायकों के अलावा संगठन के बड़े नेताओं, पूर्व सांसदों और विधायकों को भी पार्टी चुनाव मैदान में उतार सकती है। कांग्रेस से बगावत कर भाजपा में शामिल हुए नेताओं का टिकट भी तय माना जा रहा है। पार्टी युवाओं और महिलाओं को भी पर्याप्त टिकट देकर उन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगी। मंगलवार को पार्टी नेता जेपी नड्डा के घर हुई बैठक में सभी सीटों पर मजबूत प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा हुई है। बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर भाजपा के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में नामों पर अंतिम विचार किया जा सकता है। इसके बाद जल्द ही भाजपा असम के अपने सभी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है। असम विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने सहयोगी दलों के साथ अच्छा वोट शेयर हासिल करते हुए जीत हासिल की थी। पिछले चुनाव की तुलना में उसके वोट प्रतिशत में ढाई प्रतिशत की बढ़ोतरी भी हुई थी। लेकिन इसके बाद भी एनडीए और विपक्षी दलों के गठबंधन के वोटों में बहुत मामूली ही अंतर था। भाजपा इस अंतर को बढ़ाकर अपनी जीत का दायरा बढ़ाना चाहती है। इसके लिए असमिया समाज के विभिन्न वर्गों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने अमर उजाला से कहा कि असम में हिमंत विश्व शर्मा सरकार की मजबूत वापसी होगी और भाजपा फिर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा असम में सौ सीट हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि असम में केंद्र सरकार और हिमंत विश्व शर्मा सरकार ने राज्य में विकास की नई राजनीति खड़ी की है, जबकि उसके पहले कांग्रेस की सरकारों ने असम सहित पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में विकास करना आवश्यक नहीं समझा। यही कारण है कि आम के युवा और अन्य लोगों ने भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में लाने का मन बना लिया है।

कोई भी सनातनी...

होने की सलाह देता हूं और पार्टी में उनका स्वागत करता हूं। अब तक उनसे कोई संपर्क नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर बरदलै भाजपा में शामिल होते हैं, तो पार्टी उनके साथ वैसा ही सम्मानजनक व्यवहार करेगी जैसा उसने असम के वरिष्ठ नेता भूपेन कुमार बोरा के साथ किया था। उन्होंने कहा कि जिस तरह हमने भूपेन बोरा को सम्मान दिया, उसी तरह हम प्रद्युत बरदलै को भी सम्मान देंगे। डॉ. शर्मा ने यह भी संकेत दिया कि अगर बरदलै पाला बदलते हैं, तो भाजपा उन्हें चुनावी तौर पर समायोजित करने के लिए तैयार रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर प्रद्युत बरदलै भाजपा में शामिल होते हैं, तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वे विधानसभा चुनाव लड़ें और हम उनके लिए एक सीट आरक्षित करेंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री ने दोहराया कि अब तक बरदलै की ओर से कोई बातचीत नहीं हुई है। डॉ. शर्मा ने कहा कि अब तक, मुझे नहीं लगता कि प्रद्युत बरदलै ने किसी भी भाजपा नेता से संपर्क किया है। इन टिप्पणियों ने असम में, खासकर कांग्रेस के खेमे में, नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दिया है, क्योंकि राज्य धीरे-धीरे अगले विधानसभा चुनाव चक्र की ओर बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि बरदलै ने हाल ही में अपनी नाराजगी भरा एक पत्र कांग्रेस पार्टी के असम प्रभारी को लिखा था, जिसमें असम प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई और एक केंद्रीय नेता इमरान मसूद पर अपनी बेइज्जती का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने इशारों-इशारों में पार्टी (कांग्रेस) से किनारा करने का भी इशारा दिया था। अब देखना होगा कि क्या बरदलै कांग्रेस छोड़ेंगे या नहीं।

तुष्टिकरण की राजनीति ...

जनता के साथ खड़ा होना चाहिए तथा तुष्टिकरण की राजनीति की निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक विशेष समुदाय के लोग हैं जिन्हें मोदी सरकार से घर, शौचालय, सड़क, सरकारी नौकरी, राशन और प्रति माह 1250 मिला। लेकिन इस समुदाय ने कांग्रेस को वोट दिया। क्योंकि इन्हें तुष्टिकरण चाहिए। उनका उद्देश्य विकास नहीं बल्कि मोदी को हटाना और अपने समुदाय का दबदबा कायम रखना था। दूसरी ओर विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद निर्वाचन आयोग ने सोमवार को असम के पांच जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और उतने ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) का तबादला कर दिया और राज्य के लिए एक विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया। आयोग ने कोकराझाड़, माजुली, बक्सा, चिरांग और उदालगुड़ी के डीईओ को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने असम के मुख्य सचिव रवि कोटा को भेजे गए एक पत्र में कोकराझाड़ के डीईओ पंकज चक्रवर्ती की जगह डॉ. पी उदय प्रवीण, माजुली के रतुल पाठक की जगह सृष्टि सिंह और बक्सा के धीरज सऊद की जगह किम्नेई चांगसन को नियुक्त करने का आदेश दिया है। इसी के साथ चिरांग के डीईओ गकुल चंद्र ब्रह्म की जगह मधुसूदन नाथ और उदालगुड़ी के पुलक पाटगिरी के स्थान पर जय विकास को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है।

सोनोवाल ने शिवालिक और ...

परिस्थितियों और लंबे समय तक परिवार से दूर रहने के बावजूद आवश्यक कार्गो की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। दोनों जहाजों ने उच्च जोखिम वाले समुद्री क्षेत्र में असाधारण धैर्य और संयम दिखाया और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह संवाद केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्र की ओर से नाविकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। समुद्र में कार्यरत नाविकों का काम केवल तकनीकी दक्षता ही नहीं बल्कि धैर्य, अनुशासन और साहस भी मांगता है। सोनोवाल ने कहा कि दोनों जहाज लगभग दो सप्ताह तक उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में प्रतीक्षा करने के बाद सुरक्षित रूप से भारत पहुंचे और आवश्यक एलपीजी कार्गो की आपूर्ति की। यह उपलब्धि भारतीय नाविकों की पेशेवराना क्षमता और दृढ़ता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने और भारतीय नाविकों की सुरक्षा, गरिमा और वैश्विक पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी एशिया संघर्ष के बीच भारत के दो जहाज शिवालिक और नंदा देवी होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर सुरक्षित रूप से भारत पहुंचे हैं। शिवालिक लगभग 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा और करीब 45,000-46,000 मीट्रिक टन एलपीजी पहुंची। इसके बाद नंदा देवी 17 मार्च की सुबह गुजरात के कांडला बंदरगाह पहुंचा और लगभग 47,000-47,700 मीट्रिक टन एलपीजी उतारी।

बंगाल की सभी सीटों ...

कालीघाट स्थित अपने आवास से 294 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। ममता बनर्जी ने कहा कि जिन नेताओं को इस बार टिकट नहीं दिया गया है, उन्हें पार्टी संगठन में अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि तृणमूल पहले से अधिक सीटें जीतेगी, क्योंकि पार्टी साल के 365 दिन जनता के बीच रहती है। उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को लाकर राज्य की राजनीति को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बंगाल की अस्मिता की लड़ाई है और जनता इसका जवाब देगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव में नंदीग्राम से प्रतिद्वंद्विता की थी और शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। इस बार वहां से पवित्र कर को उम्मीदवार बनाया गया है, जो आज ही भाजपा छोड़ कर टीएमसी में शामिल हुए हैं। इस सीट पर कड़ा मुकाबला होने की संभावना जताई जा रही है। पवित्र वहां के मौजूदा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बेहद खास माने जाते हैं। कोलकाता बंदरगाह से फिरहाद हकीम, बिधाननगर से सुजीत बोस और रासबिहारी से देवाशीष कुमार को उम्मीदवार बनाया गया है। कमरहाटी से मदन मित्र को दोबारा टिकट दिया गया है, जबकि बेलेघाटा से पहली बार कुणाल घोष को उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तर दमदम से पूर्व पत्रकार देवदीप पुरोहित को टिकट दिया गया है। हाबरा से ज्योतिप्रिय मल्लिक को फिर मौका मिला है, जबकि बड़त्रा से जीवनकृष्ण साहा को इस बार टिकट नहीं दिया गया। दोनों शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार और राशन घोटाले में आरोपित थे। हालांकि मलिक को फिर से मौका मिला है। 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एथलीट स्वप्ना बर्मन को भी उम्मीदवार बनाया गया है। वह जलपाईगुड़ी क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। इसके अलावा पूर्व पुलिस अधिकारी प्रसून बनर्जी को चांचल से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व क्रिकेटर और मंत्री मनोज तिवारी को इस बार टिकट नहीं मिला है। अभिनेता और विधायक सोहम चक्रवर्ती की सीट बदलकर उन्हें करीमपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। बेहाला पश्चिम और महेशतला में भाई-बहन रत्ना चट्टोपाध्याय और शुभाशीष दास को उम्मीदवार बनाया गया है। मंत्री बेचाराम मन्ना और उनकी पत्नी करबी मान्ना को भी टिकट मिला है। कल्याण बनर्जी के पुत्र शीर्षान्न बनर्जी को उत्तरपाड़ा से उम्मीदवार बनाया गया है। उत्तर बंगाल की कई सीटों पर भी उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। अलीपुरद्वार से सुमन कंजीलाल, फालाकाटा से सुभाष राय, धूपगुड़ी से निर्मल राय, जलपाईगुड़ी से कृष्ण दास और राजगंज से स्वप्ना बर्मन को उम्मीदवार बनाया गया है।

ये हमारी लड़ाई नहीं...

किसी भी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेगा। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इस मामले में कभी कोई फैसला नहीं हुआ, इसलिए जर्मनी के सैन्य योगदान का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मौजूदा सरकार खत्म होनी चाहिए, लेकिन बमबारी करके उसे झुकाना सही तरीका नहीं है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अमेरिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और जब अमेरिकी नौसेना खुद इतनी ताकतवर है, तो कुछ यूरोपीय जहाज क्या कर लेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश इस बड़े युद्ध में नहीं फंसेगा। उन्होंने माना कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना जरूरी है ताकि तेल बाजार स्थिर रहे, लेकिन यह आसान काम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कदम ज्यादा से ज्यादा देशों की सहमति से ही उठाया जाएगा। यूरोपीय देशों ने सैन्य कार्रवाई की बजाय कूटनीति पर जोर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट बहुत अहम है क्योंकि यहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की सप्लाई होती है, जो फिलहाल ईरान के कारण प्रभावित हो रही है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि इस संकट का हल बातचीत से ही निकलना चाहिए और उनका देश किसी नौसैनिक मिशन को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय यूनियन के मौजूदा मिशन सिर्फ समुद्री डकैती रोकने और रक्षा के लिए हैं, उन्हें युद्ध में नहीं बदला जा सकता। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान ने भी साफ कर दिया है कि वे अपने युद्धपोत नहीं भेजेंगे। दूसरी ओर, ट्रम्प लगातार अपने सहयोगियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों को इस समुद्री रास्ते से फायदा होता है, उन्हें इसकी सुरक्षा में हिस्सा लेना चाहिए। ट्रम्प ने खासतौर पर ब्रिटेन से नाराजगी भी जताई, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि वह इसमें शामिल होगा। यूरोपीय यूनियन के विदेश मंत्रियों ने भी अपने रेड सी (लाल सागर) मिशन को होर्मुज तक बढ़ाने से इनकार कर दिया। यूरोपीय यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलस ने कहा कि फिलहाल मिशन का दायरा बढ़ाने की कोई इच्छा नजर नहीं आती। यूरोपीय देश अमेरिका और इजराइल के युद्ध के मकसद को लेकर भी स्पष्टता चाहते हैं। एस्टोनिया के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें समझना है कि ट्रम्प की रणनीति क्या है और आगे की योजना क्या होगी।

लोस में विपक्ष के आठ ...

हल निकालने के लिए इन सदस्यों का निलंबन खत्म करने पर यह सहमति बनी थी। इन सदस्यों में सर्वश्री गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिक्कम टैगोर, डॉ. प्रशांत यादवराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन थे। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज सदन में प्रस्ताव पेश करने के दौरान कहा कि सदन के प्रभावी और फलदायी संचालन के लिए सीमाएं निर्धारित करना आवश्यक है। सदन में नियम कार्य-प्रक्रिया की परंपरा हैं। कल हमने कहा था कि यदि विपक्ष सदन और अध्यक्ष के नियमों का पालन करने में हमारी मदद करता है, तो हम भी ऐसा ही करेंगे। यदि विपक्ष सीमाओं के निर्धारण पर सहमत होता है और प्रतिबद्धता व्यक्त करता है, तो हम भी उसका पालन कर सकते हैं। इसके बाद रिजिजू ने 8 निलंबित सांसदों के निलंबन को रद्द करने का प्रस्ताव रखा। सूत्रों के मुताबिक पिछली बैठक में यह भी सहमति बनी कि संसद की गरिमा और स्थापित परंपराओं का सभी द्वारा पालन किया जाएगा। यह भी निर्णय लिया कि कोई भी सदस्य वेल में दूसरी तरफ नहीं जाएगा, कागज फाड़कर आसन की ओर नहीं फेंकेगा और अधिकारियों की मेज पर नहीं चढ़ेगा। इसके अलावा, सभी सदस्य सदन की मर्यादा का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं भविष्य में दोबारा न हों। इस बीच, लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को संसद परिसर में मर्यादा बनाए रखने के संबंध में एक बुलेटिन जारी किया है। इसमें दिशा-निर्देश 124ए(2) का हवाला दिया गया है, जो संसद परिसर के क्षेत्र और मार्ग को सांसदों के लिए खुला और बाधारहित बनाए रखने के लिए कुछ गतिविधियों पर रोक लगाता है। बुलेटिन में विशेष रूप से कहा गया है कि परिसर में हथियार, झंडे, पोस्टर, लाठी, भाला, तलवार, डंडे और ईंट आदि ले जाना निषिद्ध है। सांसदों को बार-बार निर्देश दिया गया है कि वे पोस्टर, प्लैकार्ड या बैनर न लाएं और न प्रदर्शित करें। इसके अलावा, बुलेटिन में कहा गया है कि कुछ मामलों में पोस्टर और प्लैकार्ड पर एआई-जनित आपत्तिजनक चित्र, तस्वीरें और नारे प्रदर्शित किए गए हैं। सांसदों को एक बार फिर निर्देश दिया गया है कि वे दिशानिर्देश का कड़ाई से पालन करें, ताकि किसी भी उल्लंघन की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। लोकसभा अध्यक्ष ने आज सदन में कहा सभी से आग्रह किया कि संसद परिसर में, सदन के अंदर या बाहर, फर्जी तस्वीरें, एआई-जनरेटेड तस्वीरें, पोस्टर या बैनर प्रदर्शित न करें। उन्होंने सदस्यों से गरिमा, प्रतिष्ठा, पवित्रता और मर्यादा बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में असम में विकास व सांस्कृतिक पहचान को मिली नई मजबूती : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दूरदर्शी और दृढ़ नेतृत्व में राज्य के हर कोने में विकास की एक मजबूत लहर फैल रही है। बुनियादी ढांचे, सड़क संपर्क, परिवहन और शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति के साथ-साथ, राज्य की भाषा, विरासत और सांस्कृतिक पहचान में भी तेजी से और सार्थक प्रगति देखने को मिल रही है। ये बातें प्रदेश भाजपा प्रवक्ता कल्याण गोगोई ने कही। गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में असम में 10 हजार बीघा से अधिक सत्र (मठ) भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। विशेष रूप से, बटद्रवा थान की 140 बीघा, दक्षिण पाट सत्र की 6 बीघा, बरपेटा सत्र की 40 बीघा और ग्वालपारा सत्र की 37 बीघा भूमि को सफलतापूर्वक वापस हासिल कर लिया गया है। कल्याण गोगोई ने बताया कि सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक यह है कि 2024 में असमिया भाषा को *शास्त्रीय भाषा* का प्रतिष्ठित दर्जा दिया गया, जो एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इसके अलावा, चराइदेव मैदाम को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है, जिससे असम की सांस्कृतिक विरासत वैश्विक मंच पर और अधिक गौरवान्वित हुई है। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर, 2022 को पारंपरिक *गामोछा* को जीआई टैग प्रदान किया गया, जो असम के सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक पहचान का प्रतीक है। *असम दर्शन योजना* के तहत, राज्य सरकार ने 34,939 धार्मिक संस्थानों के विकास के लिए 614 करोड़ की राशि स्वीकृत की है, जो आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने वीर लचित बोरफुकन की विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस महान योद्धा की 400वीं जयंती 24 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में बड़े ही भव्य तरीके से मनाई गई और वर्ष भर चले समारोहों का समापन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हुआ। जोरहाट में इस महान नायक की 125 फुट ऊंची प्रतिमा भी स्थापित की गई है। प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा सरकार ने स्थानीय भाषाओं की सुरक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। इस पहल के तहत, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा नौवीं में और 2027-28 से कक्षा दसवीं में डिमासा भाषा को एक वैकल्पिक एमआईएल विषय के रूप में शामिल किया जाएगा। यह निर्णय नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनॉमस काउंसिल (एनसीएचएसी) के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में मातृभाषा-आधारित शिक्षा सुनिश्चित करेगा और आदिवासी पहचान के संरक्षण को मजबूत करेगा। इसके अलावा, राज्य सरकार ने बोडो साहित्य सभा को एक बीघा जमीन आवंटित करने का निर्णय लिया है, जिससे भाषाई और सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और भी मजबूत हुई है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व में विकास की यह निरंतर लहर हर असमिया नागरिक तक पहुंची है, जिसने जाति, समुदाय, भाषा और धर्म की सभी बाधाओं को पार कर लिया है। असम की जनता ने अब भाजपा सरकार को आत्मीय विश्वास और भरोसे के साथ अपनाया है। इसी जबरदस्त जनविश्वास की बदौलत भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने की ओर अग्रसर है।

धुबड़ी कोर्ट ने 2011 के हत्या मामले में छह लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

धुबड़ी (हिंस)। लगभग 15 साल बाद एक अहम फैसले में, धुबड़ी में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आज धुबड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज 2011 के एक हत्या मामले के सिलसिले में छह लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला (धुबड़ी थाना में दर्ज प्राथमिकी संख्या 605/2011) 2 नवंबर, 2011 को धुबड़ी शहर के पास कुंतीरचर इलाके में अशान अली की बेरहमी से की गई हत्या से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़ित पर खेती के काम से घर लौटते समय आरोपियों के एक समूह ने धारदार हथियारों से हमला किया था। फैसला सुनाते हुए, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सैयद बुरहानुर रहमान ने राज अली, बिमला बेवा, अमजद अली, आजाद अली उर्फ मंडल अली, मोमिरोन बीबी और सजात अली को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302/149 के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने सभी छह लोगों को आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न देने पर, अतिरिक्त कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है। अदालत ने आरोपियों को आईपीसी की धारा 324/149 और 326/149 के तहत भी दोषी ठहराया, और क्रमशः दो साल और पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई, साथ ही जुर्माना भी लगाया। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना 2 नवंबर, 2011 को सुबह लगभग 10 बजे हुई थी, जब पीड़ित अपने धान के खेत से लौट रहा था। आरोपियों ने, जिनके पास कथित तौर पर कुल्हाड़ियां और अन्य धारदार हथियार थे, एक सोची-समझी योजना के तहत उस पर हमला किया। पीड़ित को गंभीर चोटें आईं और बाद में उसकी मौत हो गई, जबकि बीच-बचाव करने की कोशिश करने वाले कई अन्य लोग भी घायल हो गए। यह फैसला, जिसे 7 मार्च 2026 को सुरक्षित रखा गया था, 17 मार्च को सुनाया गया। इसके साथ ही एक लंबे चले मुकदमे का समापन हो गया, जिसकी शुरुआत 2015 में चार्जशीट दाखिल होने और 2016 में आरोप तय होने के साथ हुई थी। इस मामले में नामजद अभियुक्तों में से एक, खलील उद्दीन की कथित तौर पर मुकदमे की सुनवाई के दौरान ही मृत्यु हो गई, जिसके चलते उनके खिलाफ चल रही कार्यवाही समाप्त कर दी गई।

भाजपा विरोधी सरकार का करेंगे समर्थन : एआईयूडीएफ

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक रफीकुल इस्लाम ने कहा कि पार्टी असम में किसी भी *भाजपा विरोधी सरकार* का समर्थन करेगी। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार और मौजूदा भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार, दोनों पर लोगों के मुख्य मुद्दों को हल करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए इस्लाम ने उन मुद्दों पर जोर दिया जिन्हें उन्होंने बहुत जरूरी बताया। इनमें लोगों के विस्थापन और जमीन की समस्या और किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं की कमी शामिल थी। उन्होंने कहा कि पार्टी का समर्थन इस बात पर निर्भर करेगा कि एक ऐसी गैर-भाजपा सरकार बने जिसमें एआईयूडीएफ की भी कोई भूमिका हो। उन्होंने कहा कि हम एक भाजपा विरोधी सरकार चाहते हैं और एक ऐसी सरकार चाहते हैं जिसमें हमारी भी हिस्सेदारी हो। उन्होंने कहा कि अगर यहां कोई भाजपा विरोधी सरकार बनती है, तो हम उसका समर्थन करेंगे। अगर हम उसका हिस्सा बन पाते हैं, तो हम शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क संपर्क के क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं को हल करेंगे। इस्लाम ने भाजपा के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से भी साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी चाहती है कि मौजूदा सरकार असम से बाहर हो जाए। उन्होंने कहा कि एक एकजुट भाजपा विरोधी सरकार बनाने के लिए धर्मनिरपेक्ष पार्टियों को ज़्यादा से ज़्यादा सीटें जीतनी चाहिए। ज्ञात हो कि असम की 126 सीटों वाले विधानसभा का चुनाव आगामी 9 अप्रैल को एक ही चरण में होना जा रहा है। मतों की गिनती 4 मई को होगी। इसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में पूरी तन्मयता के साथ जुट गयी हैं।

एजेपी ने जारी की पहली सूची लुरिनज्योति गोगोई खोवांग से लड़ेंगे चुनाव

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव-2026 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। तमाम राजनीतिक दल उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस गठबंधन में शामिल असम जातीय परिषद (एजेपी) ने भी मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई को खोवांग विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, डिब्रूगढ़ से मैनाक पात्रा, पलासबाड़ी से पंकज लोचन गोस्वामी और बजाली से दिलीप बरुवा को मैदान में उतारा गया है। वहीं सरूपथार से जीवन सुतिया, बिन्नाकांदी से रेजाउल करीम चौधरी और मोरीगांव से बानी दास को टिकट दिया गया है। सबसे ज्यादा चर्चा बरहमपुर सीट से उम्मीदवार बनाए गए राजेन गोहाईं को लेकर हो रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कभी भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता रहे गोहाईं का एजेपी से चुनाव लड़ना राजनीतिक हलकों में खासा ध्यान खींच रहा है। दरअसल, लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद राजेन गोहाईं भाजपा से नाराज चल रहे थे। उन्हें राज्यसभा भेजे जाने की उम्मीद थी, लेकिन जब यह संभव नहीं हो पाया, तो उन्होंने पार्टी के खिलाफ बगावती रुख अपनाया और अंततः भाजपा छोड़कर एजेपी में शामिल हो गए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मध्य गुवाहाटी और सादिया सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम अभी तय नहीं किए गए हैं। इन सीटों की घोषणा अगले चरण में की जाएगी। एजेपी की इस पहली सूची के साथ ही राज्य में चुनावी मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी है। आने वाले दिनों में अन्य दलों और गठबंधनों द्वारा भी उम्मीदवारों की घोषणा के साथ राजनीतिक माहौल और गरमाने की उम्मीद है।

भाजपा गठबंधन इंद्रधनुष जैसा, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन सिर्फ एसी कमरों तक ही सीमित : डॉ. देवजीत महंत

गुवाहाटी (हिंस)। गठबंधन का मतलब सिर्फ एक साथ आना ही नहीं होता, इसके लिए गठबंधन की राजनीति की मूल भावना और अनुशासन का पालन करना भी जरूरी होता है। 2021 के लोकसभा चुनावों के दौरान भी, विपक्ष एक गठबंधन के रूप में एक साथ आया था, लेकिन वह अपने गठबंधन की पवित्रता को बनाए रखने में नाकाम रहा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन में, भले ही टिकट के लिए कई दावेदार हों, लेकिन सभी की एक ही साझा इच्छा होती है, जीत। भले ही कई लोग टिकट की चाहत रखते हों, लेकिन एक बार जब कोई उम्मीदवार चुन लिया जाता है, तो बाकी सभी लोग उसकी जीत सुनिश्चित करने में पूरी तरह से जुट जाते हैं। यही वजह है कि भाजपा का गठबंधन एक इंद्रधनुष की तरह खड़ा है, विविधताओं से भरा, फिर भी एक ही लक्ष्य के लिए एकजुट। असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता डॉ. देवजीत महंत ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं द्वारा दिए गए बयान, जिनमें कांग्रेस को मुसलमानों के बराबर और मुसलमानों को कांग्रेस के बराबर बताया गया है, ने असल में इस धारणा को और मजबूत ही किया है कि कांग्रेस अब एक ऐसी पार्टी बन गई है जो सिर्फ अल्पसंख्यकों को खुश करने की राजनीति करती है। परिसीमन से पहले, असम में 32 ऐसी विधानसभा सीटें थीं जहां अल्पसंख्यकों का दबदबा था, लेकिन अब उनकी संख्या घटकर 22 रह गई है। विपक्ष को कभी भी उन सीटों को लेकर कोई आपसी मतभेद नहीं होता जहां बहुसंख्यकों का दबदबा होता है; उनके आपसी झगड़े सिर्फ उन्हीं सीटों को लेकर होते हैं जहां अल्पसंख्यकों का दबदबा होता है और इसी से उनकी गठबंधन की राजनीति का असली चेहरा बेनकाब हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के हालिया असम दौरे को लेकर विपक्ष द्वारा की गई आलोचना का कड़ा जवाब देते हुए, डॉ. महंत ने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, जो असम से ही सांसद थे, अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान असम के दौरे पर सिर्फ आठ बार ही आए थे और उन आठ दौरों में से भी तीन दौरे तो सिर्फ चुनावों के दौरान ही हुए थे। इसके ठीक विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दस सालों में पूर्वोत्तर का 76 से भी ज़्यादा बार दौरा किया है जो कि इस क्षेत्र के प्रति उनकी बेमिसाल प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान, असम को कच्चे तेल की रॉयल्टी के रूप में 7,710 करोड़ से वंचित रखा गया था।

तामुलपुर में व्यय पर्यवेक्षक का आगमन, चुनावी खर्च पर निगरानी होगी सख्त

तामुलपुर (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर तामुलपुर जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों- 43 तामुलपुर (अनुसूचित जनजाति) और 44 गोरेश्वर के लिए नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक नील वेंकट दुर्गा प्रवीण आज तामुलपुर पहुंच गए हैं। उन्होंने चुनावी व्यय निगरानी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से अपना दायित्व संभाल लिया है। जिले में चुनावी खर्च से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत, सूचना अथवा आम जनता के सुझाव प्राप्त करने के लिए व्यय पर्यवेक्षक से सीधे संपर्क किया जा सकता है। इसके लिए उनका संपर्क नंबर 97076 80422 जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों और आम नागरिकों से चुनावी व्यय संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

डिब्रूगढ़ में मोबाइल गेमिंग की लत बनी त्रासदी, 10वीं के छात्र ने की आत्महत्या

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के डिब्रूगढ़ जिले से एक बेहद दुखद और चिंताजनक घटना सामने आई है। मोरान क्षेत्र के खोवांग अंतर्गत बहोनी पाथर गांव में 10वीं कक्षा के छात्र उत्तल गोगोई ने कथित तौर पर परिवार की जमा-पूंजी ऑनलाइन गेमिंग में गंवाने के बाद आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस के अनुसार, छात्र बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा था और पढ़ाई में काफी होनहार था। परिजनों ने बताया कि आर्थिक तंगी के बावजूद उसकी पढ़ाई के लिए उसे मोबाइल फोन उपलब्ध कराया गया था, लेकिन उसने कथित तौर पर उसी फोन का इस्तेमाल बिना जानकारी के ऑनलाइन गेम खेलने में करना शुरू कर दिया। जानकारी के मुताबिक, छात्र पहले भी दो बार अपनी मां के बैंक खाते से पैसे निकालकर गेमिंग में खर्च कर चुका था। परिवार द्वारा समझाने और चेतावनी देने के बावजूद उसने यह आदत जारी रखी। बताया जा रहा है कि इस बार उसने अरुणोदय योजना के तहत मिले लगभग 9 हजार रुपए भी खर्च कर दिए। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए असम सरकार द्वारा चलाई जाती है। जब उसके माता-पिता जरूरी खर्च के लिए बैंक पहुंचे, तब उन्हें खाते में पैसे नहीं मिलने पर घटना की जानकारी हुई। इस बात से घबराकर छात्र ने कथित तौर पर घर के अंदर आत्मघाती कदम उठाया। बताया जा रहा है कि उसने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। आत्महत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

असम विस चुनाव : यूपीपीएल ने जारी की 7 उम्मीदवारों की सूची

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टी यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने आगामी असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 7 निर्वाचन क्षेत्रों से अपने उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की है। यह चुनाव 9 अप्रैल को होने वाला है। पार्टी द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार यूपीपीएल के अध्यक्ष और बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के पूर्व मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने पार्टी की केंद्रीय कार्यसमिति और कोर समिति की सिफारिशों के बाद इन नामांकनों को मंजूरी दे दी है। घोषणा के अनुसार, अनिंदा बासुमतारी 1 नंबर गोसाईगांव से चुनाव लड़ेंगे, जबकि राजू कुमार नार्जारी को 2 नंबर दोतमा (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र, लॉरेंस इस्लारी 3 नंबर कोकराझाड़ (एसटी) से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो स्वयं 43 नंबर तामुलपुर (एसटी) सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने 45 नंबर भेरगांव से नेरस्वन बोड़ो, 46 नंबर उदलगुरी (एसटी) से दिपेन बोड़ो और 20 नंबर बिजनी निर्वाचन क्षेत्र से कमलसिंह नार्जारी को उम्मीदवार बनाया है। उम्मीदवारों की यह सूची यूपीपीएल के महासचिव (प्रशासन) राजू कुमार नार्जारी द्वारा व्यापक जन-प्रसार के लिए औपचारिक रूप से जारी की गई है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब पूरे राज्य में राजनीतिक दल भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू किए जाने के बाद, असम विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर रहे हैं। गौरतलब है कि यूपीपीएल आगामी चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से बाहर निकलने पर विचार कर रही है; पार्टी नेताओं ने 15 मार्च को असम के कोकराझाड़ में हुई कोर समिति की बैठक के बाद यह बात कही। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यूपीपीएल ने इससे पहले 10 मार्च को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष को पत्र भेजा था लेकिन कथित तौर पर उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसी के मद्देनजर, पार्टी ने एनडीए गठबंधन से हटने की संभावना पर आंतरिक चर्चा शुरू कर दी है। मीडिया से बात करते हुए यूपीपीएल महासचिव राजू कुमार नार्जारी ने कहा कि कोर समिति की बैठक के दौरान इस मामले पर चर्चा की गई थी और पार्टी के निर्णय के संबंध में आधिकारिक घोषणा कल होने की उम्मीद है। नार्जारी ने यह भी कहा कि पार्टी ने पूरे क्षेत्र में रोड रैलियां शुरू कर दी हैं और अंतिम फैसला लोगों की इच्छा के अनुसार ही होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का मानना है कि बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) में सत्ता का संतुलन बना रहना चाहिए और यह भी कहा कि अगर लोग अपने एमसीएलए से संतुष्ट नहीं होते हैं, तो वे अक्सर विधायक की ओर रुख करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सबसे अच्छे की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने एनडीए के प्रत्याशी के तौर पर प्रमोद बोड़ो को राज्यसभा का उम्मीदवार नहीं बनाया बल्कि उनकी जीत को भी सुनिश्चित किया है। ऐसे में प्रमोद बोड़ो का अकेले विधानसभा चुनाव लड़ना एनडीए के लिए समस्या जरूर साबित होगा।

एआईयूडीएफ ने जारी की 12 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने मंगलवार को आगामी असम विधानसभा चुनाव-2026 के लिए अपने 12 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसमें पार्टी अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल को बिनाकांडी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, हाफिज बशीर अहमद को ग्वालपाड़ा पूर्व से नामित किया गया है, जबकि नजरुल हक धुबड़ी से चुनाव लड़ेंगे। मजीबुर रहमान को दलगांव से मैदान में उतारा गया है और अशरफुल हुसैन चेंगा से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने सामागुरी से अब्दुल अजीज, करीमगंज दक्षिण से शिहाबुद्दीन और सामराजनगर से इमदाद हुसैन को चुनाव मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। एआईयूडीएफ की ओर से जमशेर तालुकदार को गोलकगंज से मैदान में उतारा गया है, वहीं मुसुखा बसुमतारी बिजनी से चुनाव लड़ेंगे। मुकुट दास को रहा से नामित किया गया है, जो अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित है, जबकि डॉ. अनूप कुमार दास तालुकदार राम कृष्ण नगर (एससी) से चुनाव लड़ेंगे। अपनी दूसरी सूची की घोषणा के साथ एआईयूडीएफ ने 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि शेष निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त उम्मीदवारों की घोषणा आने वाले दिनों में होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि अपनी पहली सूची में एआईयूडीएफ ने कुल नौ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया था, जिसमें रूपहीहाट से अमीनुल इस्लाम,मांडिया से रफीकुल इस्लाम, पाका बेतबारी से मीनाक्षी रहमान, परबतझोरा से अबू ताबेर बेपारी, गौरीपुर से निजानुर रहमान, श्रीजांग्राम से रेजाउल करीम सरकार, धिंग से मतिबुर रहमान, बिलासीपारा से शबाना अख्तर एवं लाहोरीघाट से सिद्दीक अहमद को उम्मीदवार बनाया गया है।

फकीराग्राम में बीपीएफ की संयुक्त कार्यकारिणी बैठक आयोजित, हग्रामा महिलारी ने भरी हुंकार

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट की कोकराझाड़ जिला समिति द्वारा आज फकीराग्राम स्थित कम्युनिटी हॉल में एक महत्वपूर्ण संयुक्त कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पार्टी की मजबूती और आगामी रणनीतियों पर गहन मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बीपीएफ के कोकराझाड़ जिला अध्यक्ष देरहसत बासुमतरी की अध्यक्षता में हुई इस सभा में मुख्य अतिथि के रुप में बिपिएफ के केन्द्रीय अध्यक्ष और बीटीसी प्रमुख हग्रामा महिलारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कोकराझाड़ जिला समिति के अंतर्गत आने वाले विभिन्न अंगों ने हिस्सा लिया, जिनमें प्रमुख रूप से महिला बीपीएफ, यूथ बीपीएफ, बोड़ोलैंड स्टूडेंट्स यूनियन, सभी सेल कमेटियां शामिल थे। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हग्रामा महिलारी ने जमीनी स्तर पर पार्टी को सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बीपीएफ हमेशा से क्षेत्र के विकास और जनता के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध रही है। बैठक में आगामी चुनावों और सामाजिक विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं के भारी उत्साह के बीच, नेताओं ने एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया ताकि पार्टी की विचारधारा को हर घर तक पहुंचाया जा सके।

नगांव जिले में चुनाव कॉल सेंटर का उद्घाटन

नगांव (निसं)। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी ढंग से संचालित करने तथा चुनाव से संबंधित किसी भी शिकायत दर्ज कराने या जानकारी प्राप्त करने की सुविधा के लिए नगांव जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यालय में 24 घंटे खुला रहने वाला एक कॉल सेंटर और नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस कॉल सेंटर के दो फोन नंबर हैं-1077 (टोल फ्री) और 03672-238000। इस नियंत्रण कक्ष की देखरेख के लिए दो अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वे हैं सहायक आयुक्त रूपक मजूमदार और जिला परियोजना अधिकारी (आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) विजयंत गोस्वामी। जनता चुनाव से संबंधित किसी भी शिकायत या जानकारी इस कॉल सेंटर के माध्यम से दर्ज करा सकती है या प्राप्त कर सकती है।

कोकराझाड़ : पर्वतझोरा सीट से डॉ. रेजाउल करीम बीपीएफ की ओर से ठोकेंगे ताल

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीसी चुनाव की तारीखें नजदीक आते ही पूरे बीटीआर क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच बीपीएफ के मजबूत गढ़ माने जाने वाले पर्वतझोरा निर्वाचन क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर है। आज पर्वतझोरा से बीपीएफ के युवा नेता डॉ. रेजाउल करीम ने आधिकारिक तौर पर अपनी उम्मीदवारी के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. करीम को इस क्षेत्र में बीपीएफ के सबसे मजबूत और सक्रिय युवा चेहरों में से एक माना जा रहा है। पर्वतझोरा में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा है कि डॉ. करीम की जमीनी पकड़ और जनता के बीच उनकी लोकप्रियता आगामी चुनावों में पार्टी के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। आवेदन जमा करने के बाद, क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। अब सबकी निगाहें बीपीएफ के आलाकमान पर टिकी हैं कि वे इस महत्वपूर्ण सीट के लिए किसे अपना अंतिम उम्मीदवार घोषित करते हैं।

संपादकीय

वोट छीनने के चुनाव

असम केरलम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और संघशासित क्षेत्र पुडुचेरी में चुनावों की घोषणा एक असमंजस, संकट और गहरे सवालों के साथ की गई है। इन चार राज्यों और संघशासित क्षेत्र में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर सरकारें चुनेंगे, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि 1 करोड़ 65 लाख से अधिक मतदाताओं का मताधिकार ही छीन लिया गया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद इतने मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए, बांग्लादेशी या रोहिंग्या थे? चुनाव आयोग इस सवाल पर स्पष्टीकरण नहीं देता। सबसे संवेदनशील और एक हद तक असंवैधानिक मामला पश्चिम बंगाल का है। वहां एसआईआर के तहत 63.66 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, लेकिन बाद में 10 लाख से अधिक मतदाताओं के दावे सही पाए गए, लिहाजा उन्हें मतदाता-सूची में शामिल कर लिया गया। अब भी 50 लाख से अधिक मतदाताओं की जांच जारी है, न्यायिक अधिकारी जांच कर रहे हैं और इसी बीच चुनावों की घोषणा कर दी गई। क्या ये 50 लाख से अधिक मतदाता वोट नहीं दे पाएंगे? क्या इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित कर चुनाव कराए जा सकते हैं? यह जांच कोलकाता उच्च न्यायालय की निगरानी में जारी है। बंगाल का यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी उठ चुका है, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि इतने वोटों को काट देना क्या असंवैधानिक नहीं है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दलील थी कि जो मतदाता जांच के दायरे में हैं और अभी उनके नाम मतदाता-सूची में दर्ज नहीं हैं, कमोबेश उन्हें विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार बहाल रखा जाए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं माना। नतीजतन बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाता इस चुनाव में वोट नहीं दे सकेंगे। क्या भारत का लोकतंत्र और संविधान इसीलिए 'महान' हैं? क्या चुनाव आयोग संविधान से भी ऊपर और निरंकुश है? यदि संदिग्ध मतदाता जांच के बाद सही पाए गए और चुनाव भी सम्पन्न हो गए और वे मताधिकार से वंचित रहे, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्त बर्खास्त किए जा सकते हैं? कदापि नहीं, क्योंकि संविधान में सिर्फ महाभियोग के जरिए ही इन आयुक्तों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने हस्ताक्षर कर महाभियोग के नोटिस दे रखे हैं, लेकिन ज्ञानेश को नैतिकता की कोई चिंता नहीं है। वह राजनीतिक सवालों पर टिप्पणी भी नहीं करते और मीडिया के सवालों के जवाब भी नहीं देते। क्या वह अति-संवैधानिक अधिकारी हैं? आश्चर्य तो यह है कि इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार छीनने का काम किया गया है और सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती। क्या उसकी यही संविधान-संरक्षक की भूमिका है? बंगाल ही नहीं, एक और मामला बेहद महत्वपूर्ण और संविधान पर सवालिया है। केरलम के करीब 40 लाख नागरिक खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। तमिलनाडु के भी 11 लाख से अधिक नागरिक खाड़ी देशों में हैं। ये अब भी भारतीय नागरिक हैं। उनका पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज भी भारतीय हैं। वे औसतन 50-51 अरब डॉलर भारत में अपने 'घरों' को भेजते हैं। यह धन भारतीय बैंकों में आता है, लिहाजा भारत की जीडीपी को भी बढ़ाता है। क्या चुनाव आयोग ने मतदाता-सूची शुद्धिकरण में इन 51 लाख से अधिक भारतीयों को भी 'वोटर' माना है? इसका भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। असम को छोड़ कर सभी राज्यों में एसआईआर का अभियान सम्पन्न हो चुका है। अधिकांश अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी नाम काटे गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने घुसपैठियों के जरिए जनसांख्यिकी बदलाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बहरहाल, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और तटस्थता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

चार राज्यों और संघशासित क्षेत्र में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर सरकारें चुनेंगे, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि 1 करोड़ 65 लाख से अधिक मतदाताओं का मताधिकार ही छीन लिया गया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद इतने मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए, बांग्लादेशी या रोहिंग्या थे? चुनाव आयोग इस सवाल पर स्पष्टीकरण नहीं देता। सबसे संवेदनशील और एक हद तक असंवैधानिक मामला पश्चिम बंगाल का है। वहां एसआईआर के तहत 63.66 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, लेकिन बाद में 10 लाख से अधिक मतदाताओं के दावे सही पाए गए, लिहाजा उन्हें मतदाता-सूची में शामिल कर लिया गया। अब भी 50 लाख से अधिक मतदाताओं की जांच जारी है, न्यायिक अधिकारी जांच कर रहे हैं और इसी बीच चुनावों की घोषणा कर दी गई। क्या ये 50 लाख से अधिक मतदाता वोट नहीं दे पाएंगे? क्या इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित कर चुनाव कराए जा सकते हैं? यह जांच कोलकाता उच्च न्यायालय की निगरानी में जारी है। बंगाल का यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी उठ चुका है, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि इतने वोटों को काट देना क्या असंवैधानिक नहीं है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दलील थी कि जो मतदाता जांच के दायरे में हैं और अभी उनके नाम मतदाता-सूची में दर्ज नहीं हैं, कमोबेश उन्हें विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार बहाल रखा जाए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं माना। नतीजतन बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाता इस चुनाव में वोट नहीं दे सकेंगे।

कुछ अलग

संत की दुखी व्यक्ति को सीख

एक लोक कथा है। एक व्यक्ति समुद्र के किनारे घूम रहा था। मौसम बहुत सुहावना था। समुद्र की लहरें धीरे-धीरे किनारे से टकरा रही थीं। उस व्यक्ति की समुद्र में नहाने की इच्छा हुई। तभी उस व्यक्ति की नजर किनारे पर पड़ी एक चमकदार छड़ी पर गई। उसने उसे उठाकर देखा तो पता चला कि वह चांदी की छड़ी है। व्यक्ति ने सोचा, "अगर मैं इस छड़ी को यहीं छोड़कर नहाने गया तो कोई इसे उठा ले जाएगा।" इसलिए वह छड़ी को अपने साथ लेकर ही समुद्र में नहाने चला गया। वह आराम से पानी में नहा ही रहा था कि अचानक समुद्र में एक बड़ी लहर आई। उस तेज लहर के कारण उसके हाथ से छड़ी फिसल गई। देखते ही देखते वह छड़ी समुद्र की लहरों के साथ दूर बह गई और खो गई। अब वह व्यक्ति बहुत दुखी हो गया। वह बार-बार समुद्र की तरफ देखने लगा और सोचने लगा कि काश उसकी छड़ी वापस मिल जाए। वह किनारे पर बैठकर उदास हो गया। उसी समय वहां से एक संत गुजर रहे थे। उन्होंने उस व्यक्ति को दुखी देखा तो उसके पास आकर पूछा, "बेटा, तुम इतने परेशान क्यों बैठे हो?" व्यक्ति ने दुखी होकर कहा, "मेरी चांदी की छड़ी समुद्र में बह गई है।" संत ने पूछा, "तुम छड़ी लेकर समुद्र में नहाने क्यों गए थे?" व्यक्ति बोला, "अगर मैं छड़ी को किनारे पर रखकर नहाने जाता तो कोई उसे उठा ले जाता।" संत ने फिर पूछा, "तुम चांदी की छड़ी लेकर यहां क्यों आए थे?" यह सुनकर व्यक्ति ने कहा, "मैं छड़ी लेकर नहीं आया था। मुझे यह छड़ी यहीं किनारे पर पड़ी हुई मिली थी।" यह बात सुनते ही संत मुस्कुराने लगे। उन्होंने कहा, "जब वह छड़ी तुम्हारी थी ही नहीं, तो उसके खोने पर इतना दुख क्यों कर रहे हो?" संत की बात सुनकर व्यक्ति को अपनी गलती समझ में आ गई।

रोबोट सैनिक 'फैंटम एमके-1' तैयार

अमेरिका ईरान के खिलाफ युद्ध में उतरेगा रोबोट सैनिक

प्रमोद भार्गव

मनुष्य मनुष्य की सोच असीम संभावनाओं से जुड़ी है। कल्पना से शुरू होने वाले विचार सच्चाई के धरातल पर आकार लेते हैं, तो आंखें हैरान रह जाती हैं। सैन्य प्रौद्योगिकी की दुनिया में दिखाई जाने वाली फिल्मी कहानियां अब मानव जीवन की ठोस सच्चाई में बदलती दिख रही हैं। अमेरिकी टेक कंपनी 'फाउंडेशन' ने दुनिया का पहला आदमी जैसा ह्यूमनॉइड कृत्रिम बुद्धि से संचालित रोबोट सैनिक 'फैंटम एमके-1' तैयार कर लिया है। स्टील से बना यह सैनिक रोबोट एम-16 राइफल, रिवॉल्वर और शॉटगन जैसे हथियार चलाने में दक्ष है। इस सैनिक की दक्षता की परख फिलहाल कारखानों और बंदरगाहों पर की जा रही है। अमेरिका ही नहीं रूस, चीन और भारत भी ऐसे सैनिक बनाने में जुटे हैं। भारत का डीआरडीओ ये रोबोट बना रहा है। इजरायल ऐसे सैनिक बना चुका है। हालांकि सैनिक के रूप में अभी उनका युद्ध के मैदान में परीक्षण होना शेष है। यह एक नए शीत युद्ध और नई तकनीक की होड़ की शुरुआत है, जो दुनिया को ऐसे स्व-नियंत्रित रोबोट सैनिकों को सौंपने जा रही है, जो कृत्रिम बुद्धि से विस्फोटक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। इजरायल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो न केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी। इजरायल का विख्यात रक्षा कंपनी इल्बिट रोबो टीम ने इस सेना को तैयार किया है। रोबो टीम के सीईओ इलाजलेवी के मुताबिक अब तक आकाश में ड्रोन और हवाई रोबोट के जरिए होने वाले सभी काम अब धरती पर भी हो सकेंगे। मानव रहित रोक रोबोट के अंदर स्वयं ही खतरों को भांपकर फैसला लेने की क्षमता विकसित कर दी गई है। कृत्रिम बौद्धिक क्षमता से परिपूर्ण ये रोबोट जंग के मैदान में खराब होने पर इसके पुर्जे साथ चलने वाले रोबोट सैनिक बदल देंगे। इसकी इस विशेषता से रोबोट सैनिक एकाएक निष्क्रिय नहीं होंगे। 200 किलोग्राम वजन वाले इस रोक रोबोट की दौड़ने की क्षमता 30 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यह 1200 किलोमीटर मारक क्षमता वाले हथियार लेकर चलने में सक्षम हैं। इसकी कीमत डेढ़ लाख डॉलर से लेकर तीन लाख डॉलर तक है। मसलन भविष्य के युद्ध रोबोट थल सेना लड़ेगी। ये सैनिक डर और थकान से मुक्त होंगे। कृत्रिम बौद्धिकता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पिछले एक दशक से अपनी हैरतअंगेज उपलब्धियों व भविष्य की संभावनाओं के चलते दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क, बिल गेट्स और स्टीफन हॉकिंग ने इसकी अतिरिक्त बुद्धि एवं शक्ति से आशंकित होकर कई बार चेताया भी है। बावजूद अनेक ऐसे पूंजी-निवेशक और वैज्ञानिक हैं, जो एआई को एक बेहतर भविष्य के सपने के रूप में देखते रहे हैं। क्योंकि आज रोबोट कारखानों में मजदूरी के काम से लेकर शिक्षक, टीवी एंकर, नर्स और अब सैनिक की भूमिका में अवतरित होने जा रहा है। सॉफ्ट बैंक के सीईओ मासायोषी सॉन ने कहा है कि कालांतर में हमारे जूते भी हमारे दिमाग से कहीं ज्यादा होशियार होंगे।

सैन्य प्रौद्योगिकी की दुनिया में दिखाई जाने वाली फिल्मी कहानियां अब मानव जीवन की ठोस सच्चाई में बदलती दिख रही हैं। अमेरिकी टेक कंपनी 'फाउंडेशन' ने दुनिया का पहला आदमी जैसा ह्यूमनॉइड कृत्रिम बुद्धि से संचालित रोबोट सैनिक 'फैंटम एमके-1' तैयार कर लिया है। स्टील से बना यह सैनिक रोबोट एम-16 राइफल, रिवॉल्वर और शॉटगन जैसे हथियार चलाने में दक्ष है। इस सैनिक की दक्षता की परख फिलहाल कारखानों और बंदरगाहों पर की जा रही है। अमेरिका ही नहीं रूस, चीन और भारत भी ऐसे सैनिक बनाने में जुटे हैं। भारत का डीआरडीओ ये रोबोट बना रहा है। इजरायल ऐसे सैनिक बना चुका है। हालांकि सैनिक के रूप में अभी उनका युद्ध के मैदान में परीक्षण होना शेष है। यह एक नए शीत युद्ध और नई तकनीक की होड़ की शुरुआत है, जो दुनिया को ऐसे स्व-नियंत्रित रोबोट सैनिकों को सौंपने जा रही है, जो कृत्रिम बुद्धि से विस्फोटक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। इजरायल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो न केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी।

इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि क्या भविष्य में यह मशीनी रोबोट मनुष्य पर ही भारी न पड़ जाए। मानव और मशीन के बीच पैदा होने वाले ये द्वंद हकीकत में किस सच्चाई के रूप में सामने आएंगे, यह तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन जब-जब कोई नया आविष्कार हुआ है तो वह शंका का कारण तो बना ही है। भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इनटेलीजेंसी) से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ा दी जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरूआत की गई है। इस परियोजना का लक्ष्य मानव रहित टैंक, जलपोत, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी तक खड़ी की जाने की तैयारी है। हवाईयानों को भी रोबोटिक हथियारों से सक्षम बनाया जाएगा। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है। इसमें भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) भी सहयोग कर रहा है। दरअसल भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ही ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इससे युद्ध में मानव सैनिकों के प्राण बचेंगे। परंतु रक्षा विशेषज्ञों की चिंता है कि यदि युद्ध के दौरान एआई में तकनीकी व्यवधान और हैकिंग के बड़े संकट हैं। अतएव इंसानी नियंत्रण से मुक्त इन मशीनी सैनिकों को फैसले लेने की छूट मिल जाती है तो ये युद्ध को पलों में तांडव में बदल सकते हैं। लेकिन भारत जैसे देश को सेना को बदलती परिस्थितियों की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य शत्रुओं की चुनौती कहीं अधिक है। साफ है, इनसे निपटना आसान नहीं है। क्योंकि ये सामने तो दिखाई नहीं देते हैं, मगर इनका धोखे से किया गया हमला बड़ा खतरनाक होता है। ऐसे ही हमलों के चलते हम कश्मीर घाटी और पाक सीमा पर 42000 से भी ज्यादा नागरिक और सैनिक गवां चुके हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए इन आतंकियों ने 26 पर्यटकों के प्राण ले लिए थे। इसी की प्रतिक्रिया में ऑपरेशन सिंदूर जारी था। साफ है, इन धोखेबाज ताकतों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े उपकरणों से ही निपटना बेहतर है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य व अदृश्य शक्ति के रूप में उतरकर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट घाटी एवं नियंत्रण रेखा पर जो आतंक प्रभावित क्षेत्र हैं, उनमें सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए, सुरक्षा के लौह कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। यही नहीं दुश्मन की घुसपैठ को नाकाम बनाने और पाकिस्तानी सेना के हमलों से मुकाबले में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी। कृत्रिम बुद्धि (एआई) वाले ये रोबोट सेना के रूप में सीमा पर शक्ति का पर्याय बनके दुश्मन पर कहर बनकर टूटेंगे। इसी मंशा के अनुरूप रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्वेलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्युटरों में उतार देंगे। वीडियोग्राफी के जरिए ये इनके ठिकानों के निश्चित स्थल से चित्र सहित अवगत करा देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉंचिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले व अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आसपास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों या पाकिस्तान के छद्म दस्ते के छिपे होने की आशंका हो। लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। रोबोटिक्स आर्मी यूनिट को संचालित करने के लिए सैन्य अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों व जवानों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। दुश्मन के घर में घुसकर मार करने में सक्षम रोबोटिक युद्धक वाहन (आरसीवी) खरीदने पर भी सेना विचार कर रही है। ये युद्धक वाहन सेना का हिस्सा बन जाएंगे, तब भारतीय सेना बहुत शक्तिशाली हो जाएगी।

देश दुनीया से

ममता को नहीं है देश की संवैधानिक संस्थाओं की परवाह

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी देश में लोकतांत्रिक सरकारों का अजीब इतिहास लिखने में जुटी हैं। पश्चिम बंगाल सहित देश के कई राज्यों में गैरभाजपा सरकारें हैं, किन्तु देश के संवैधानिक संस्थाओं और केंद्र सरकार के साथ जिस तरह का रवैया मुख्यमंत्री बनर्जी अपना रही हैं, उससे लगता यही है कि उन्होंने तय कर रखा है कि मुद्दा चाहे जैसा भी हो हर हाल में टकराना है। ममता की इस टकराहट से केंद्र सरकार के साथ रिश्ते कटु होते जा रहे हैं, साथ ही देश के लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी के तौर—तरीकों से लगता यही है कि उन्हें शीर्ष अदालत के आदेशों की भी परवाह नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के लिए झारखंड और ओडिसा के जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों को लगाया है, ताकि इस कार्रवाई में किसी भी पक्ष द्वारा पक्षपात का आरोप नहीं लगे। इसके बावजूद ममता सरकार हस्तक्षेप से बाज नहीं आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार कोलकाता पहुंचे, उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। साथ ही उनके विरोध में काले झंडे भी लहराए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर पहुंचे थे, वहां भी उनका विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए। कोलकाता में करीब तीन जगहों पर विरोध प्रदर्शनों का सामना किया। विरोध प्रदर्शनों के बीच ज्ञानेश कुमार ने चुनावी राज्य में लाखों बंगाली भाषी नागरिकों का दिल जीतने की कोशिश की। देश में इससे पहले ऐसा रवैया किसी भी राज्य की सरकार ने चुनाव आयोग के साथ नहीं अपनाया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अगले दो महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए वहां पहुंचे। सीएम ममता बनर्जी और अन्य टीएमसी नेता चुनाव आयोग पर एसआईआर के बाद मतदाता सूची से वोटर्स के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए तीन दिन तक धरना दिया। पश्चिम बंगाल इस तरह की हरकतें तब हो रही हैं, जब सुप्रीम कोर्ट न्यायिक निगरानी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को अंजाम देने में जुटा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ममता सरकार के प्रति नाराजगी तक जाहिर कर चुका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती दी गई। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को बार-बार कोर्ट न आने की सलाह दी थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने नाराज होकर पूछा, 'क्या सुप्रीम कोर्ट के पास पश्चिम बंगाल के एसआईआर के अलावा सुनने के लिए कुछ और नहीं है? इससे पहले भी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाने से जुड़े मामलों की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सभी पक्षों को चेताया और कहा कि न्यायिक अधिकारियों पर सवाल उठाने की हिम्मत न करें। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि हमें पता था कि जैसे ही न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, आप लोग पीछे हट जाएंगे। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने हमें बताया कि 10 लाख मामलों का निपटारा हो चुका है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी से मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि ऐसे आवेदन दाखिल करने की हिम्मत कैसे हुई? मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आपका आवेदन समय से पहले दायर किया गया है और इससे ऐसा लगता है कि आपको न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने अदालत को बताया कि करीब 7 लाख दावों का निपटारा न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है, जबकि पहले 63 लाख दावे विचाराधीन थे और अब करीब 57 लाख मामले शेष हैं। इस पर वरिष्ठ वकील गुरुस्वामी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार न्यायिक अधिकारियों पर सवाल नहीं उठा रही है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हो सकता है कि आपने सीधे तौर पर सवाल न उठाया हो, लेकिन आवेदन में सवाल उठते दिखते हैं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में मैं इसे सहन नहीं करूंगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि अदालत को विश्वास है कि न्यायिक अधिकारी अपना काम ठीक से कर रहे हैं, लेकिन अतिरिक्त सावधानी के तौर पर राज्य सरकार को निर्देश दिया जाता है कि वह न्यायिक अधिकारियों के काम के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी अनिवार्य कदम ऐसा न उठाया जाए जो इस प्रक्रिया को बाधित करे, जब तक कि उसे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अनुमति न मिल जाए। अदालत ने अपील की व्यवस्था पर भी स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारी के फैसले के खिलाफ किसी प्रशासनिक निकाय के समक्ष अपील नहीं होगा। इसके बजाय संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दो पूर्व हाईकोर्ट जज या मौजूदा हाईकोर्ट जजों की बेंच गठित कर सकते हैं, जो इन अपीलों पर सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अधिकारियों को सभी जरूरी सुविधाएं दी जाएं। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग कोई भी ऐसा नियम लागू नहीं करेगा जिससे परेशानी हो। अदालत की निगरानी में मतदाता सूची की पूरी प्रक्रिया संचालित होने के बावजूद ममता सरकार और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस चुनाव आयोग को लगातार निशाना बना रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में एसआईआर के बाद मतदाता सूची से कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में चौथे दिन के धरने के दौरान भाषण दिया। ममता ने कोलकाता में एक बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया और कहा कि वह ₹सुपरमैन₹ और ₹सुपर गॉड₹ की तरह व्यवहार कर रहे हैं। सुश्री बनर्जी ने दावा किया कि श्री कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि मई में विधानसभा चुनाव के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकियां दी गई हैं। साहस होना अच्छी बात है, लेकिन झूठी बहादुरी नहीं। अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कथित तौर पर कहा कि चुनाव से पहले कानून और व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और यदि अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन करने में विफल रहते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धरने से तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के हित में भगवा पार्टी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में हैं, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाए।

आप का नजरीया

नए विषयों के कालेज जरूरी

स्कूली शिक्षण परिसरों में एक रैंकिंग के तहत हिमाचल सरकार ने अगर सीबीएसई पाठ्यक्रम को मंजूर किया, तो अब कालेजों की रैंकिंग भी एक नया सफर है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर कुल 134 कालेजों की विरासत में एक नया आयाम जोडना चाहते हैं। नैक की तर्ज पर राज्य के अपने तरीके से कालेजों की कैटेगिरी सामने आएगी। फिलहाल नैक की दृष्टि व मानदंडों के तहत महज 34 कालेज ही अपनी पात्रता बुलंद कर पाए हैं, फिर भी यह प्रयास है कि सभी परिसर, शैक्षणिक तरक्की के बिंदुओं पर गौरवान्वित हों। हिमाचल में शिक्षा को लेकर खूब सियासी नारेबाजी होती रही और यही वजह रही कि अब कुछ संस्थान अपनी प्रासंगिकता खो रहे हैं। सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम के प्रवेश ने यह साबित करना शुरू किया है कि अभिभावक भी गंभीरता से सरकार के प्रयास को साधुवाद देकर इनमें लौटने का कारण समझ रहे हैं। इसी तरह कालेजों को भी अपनी बुनियाद को साबित करने का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे में ग्रामीण, शहरी व विशिष्ट स्थानों के कालेजों के हिसाब बदलने होंगे। ग्रामीण कालेजों में छात्रों का मनोबल व समर्थन बढ़ाने के लिए इन्हें सीधे करियर से जोडना चाहिए, जबकि शहरी कालेजों के आदर्श व पाठ्यक्रम वैश्विक दृष्टि के अनुरूप हों तो पढ़ाई की औपचारिकता से कहीं आगे स्टार्टअप, स्वावलंबन और अनुसंधान का ढांचा मजबूत होगा। तीसरे कालेज अपनी विशिष्टता, लोकेशन व प्रमाणिक इतिहास की वजह से ऐसा स्थान रखते हैं और जिन्हें विषय विशेष के राज्य स्तरीय परिसर बना देना चाहिए। ये वे कालेज हैं जहां छात्र संख्या तीन से छह हजार तक पहुंच रही है। सभी प्रकार के कालेजों में प्रवेश की शर्तें, परिवेश और रैंकिंग के मुताबिक होंगी, तो इन परिसरों की प्रासंगिकता भी बढ़ेगी। ग्रामीण परिवेश में सामुदायिक कालेजों के तहत कृषि, बागबानी, कौशल विकास के विषय प्राथमिक बन जाएं तो छात्रों को आगे बढने का रास्ता मिलेगा। उदाहरण के लिए अगर पौंग बांध के किनारे स्थित नगरोटा सूरियां कालेज को कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना दिया जाए, तो वहां शिक्षा सीधे प्रोफेशन में तबदील हो जाएगी। इसी तरह खेल छात्रावासों के करीब कालेज परिसरों में स्पोर्ट्स विंग स्थापित कर देने चाहिएं। चंबा कोलज का योगदान बच्चों के हुनर में धरोहर संस्कृति व कलात्मक पहलुओं पर हो, तो पारंपरिक ज्ञान में वैज्ञानिक वृद्धि होगी और छात्र सीधे कला वस्तुओं के उत्पादन में अपने लिए रोजगार चुन लेंगे। राज्य स्तरीय कालेजों की शिनाख्त में शिमला, धर्मशाला, मंडी, सोलन, कुल्लू, हमीरपुर, ऊना व नाहन जैसे कालेजों को एक या इससे अधिक विषयों के विशिष्ट कालेज बना देना चाहिए। हिमाचल की उच्च शिक्षा में अध्ययन की एक परिपाटी तो कालेजों को स्नातकोत्तर बना कर देखी गई, लेकिन इससे विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास रुक गया। आखिर क्यों अभिभावक बच्चों को दिल्ली, चंडीगढ़, शिमला, मंडी, धर्मशाला या सोलन जैसे शहरों में भेजना चाहते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल में खुले सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों के स्थल चयन से लेकर उनके औचित्य पर सवाल उठ रहे हैं। बीएड व इंजीनियरिंग कालेजों का अनावश्यक विस्तार अब छात्रों की मैरिट को नहीं चमका रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय का औचित्य और इतिहास यूं तो धर्मशाला के नाम से जुड़ा है, लेकिन आज तक इसे सियासी खिलौना बनाकर जदरांगल परिसर का निर्माण ही नहीं हुआ। अभिभावकों व छात्रों की रुचि से ही शिक्षण संस्थान प्रतिष्ठित होते हैं। इसलिए रैंकिंग के साथ यह सर्वेक्षण भी हो कि हिमाचल के छात्र किन स्थानों पर अपनी शैक्षणिक ऊर्जा को परिमार्जित करना चाहते हैं। प्रदेश को कुछ कालेजों को स्पोर्ट्स, आर्ट एंड म्यूजिक, डिफेंस स्टडीज तथा औद्योगिक स्टडीज के कालेजों में पहचान दिलानी चाहिए। बीबीएन क्षेत्र में उद्योगों से जुड़े विविध विषयों, मार्केटिंग, अकाउंटिंग तथा पर्यावरणीय विषयों से सुसज्जित संस्थान विकसित करना चाहिए। इसी तरह शहरीकरण तथा बाजारबाद के दौर में पैदा हो रहे रोजगार पर केंद्रित कालेज भी खोला जा सकता है।

सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम के प्रवेश ने यह साबित करना शुरू किया है कि अभिभावक भी गंभीरता से सरकार के प्रयास को साधुवाद देकर इनमें लौटने का कारण समझ रहे हैं। इसी तरह कालेजों को भी अपनी बुनियाद को साबित करने का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे में ग्रामीण, शहरी व विशिष्ट स्थानों के कालेजों के हिसाब बदलने होंगे। ग्रामीण कालेजों में छात्रों का मनोबल व समर्थन बढ़ाने के लिए इन्हें सीधे करियर से जोडना चाहिए, जबकि शहरी कालेजों के आदर्श व पाठ्यक्रम वैश्विक दृष्टि के अनुरूप हों तो पढ़ाई की औपचारिकता से कहीं आगे स्टार्टअप, स्वावलंबन और अनुसंधान का ढांचा मजबूत होगा। तीसरे कालेज अपनी विशिष्टता, लोकेशन व प्रमाणिक इतिहास की वजह से ऐसा स्थान रखते हैं और जिन्हें विषय विशेष के राज्य स्तरीय परिसर बना देना चाहिए। ये वे कालेज हैं जहां छात्र संख्या तीन से छह हजार तक पहुंच रही है। सभी प्रकार के कालेजों में प्रवेश की शर्तें, परिवेश और रैंकिंग के मुताबिक होंगी, तो इन परिसरों की प्रासंगिकता भी बढ़ेगी। ग्रामीण परिवेश में सामुदायिक कालेजों के तहत कृषि, बागबानी, कौशल विकास के विषय प्राथमिक बन जाएं तो छात्रों को आगे बढने का रास्ता मिलेगा। उदाहरण के लिए अगर पौंग बांध के किनारे स्थित नगरोटा सूरियां कालेज को कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना दिया जाए, तो वहां शिक्षा सीधे प्रोफेशन में तबदील हो जाएगी।

दृष्टि कोण

चीन से सावधान रहने की अभी भी दरकार

समाचारों के हवाले से यह सूचना आ रही है कि भारत सरकार ने चीन से आने वाले निवेश पर बंदिशों में ढील दे दी है। गौरतलब है कि 2020 के प्रेस नोट-3 के तहत चीन सहित पड़ोसी देशों से निवेश के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी। वर्ष 2020 के प्रेस नोट-3 में बनाए गए नियमों के तहत चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए अभी तक पहले सरकारी मंजूरी लेनी पड़ती थी। इसमें यह भी प्रावधान था कि चाहे निवेश किसी भी अन्य देश के माध्यम से आया हो, लेकिन यदि इसका लाभकारी स्वामित्व इन पड़ोसी देशों में स्थित हो, तो भी पूर्व सरकारी मंजूरी का यह प्रावधान लागू होता है। प्रेस नोट-3 से पहले भारत में अधिकांश क्षेत्रों से विदेशी निवेश स्वचालित मार्ग से आता था। गौरतलब है प्रेस नोट-3 का मुख्य उद्देश्य चीन से आने वाले निवेश के रास्ते में रुकावट लगाना था। गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में खटास आ गई। उस दौर में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा गोपनीयता को प्राथमिकता देते हुए न केवल चीन से पूंजी निवेश पर रुकावटें खड़ी की, बल्कि टिकटॉक समेत 200 से अधिक मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि गलवान झड़प के बाद पिछले 5 सालों से अधिक समय से चीन ने सीमा विवाद खड़े करने समेत ऐसी कोई बड़ी आपत्तिजनक हरकत नहीं की है, लेकिन पूरी दुनिया में इस बात को लेकर मतैक्य है कि चीन द्वारा विभिन्न माध्यमों से जासूसी करने और कंप्यूटर प्रणाली को हैक करने की सदैव प्रवृत्ति रही है, और इसमें कोई सुधार अभी तक नहीं हुआ है और न ही सुधार की कोई आशा है। पिछले 5 सालों से अधिक समय से चीन के निवेश पर जो बंदिशें लगी हुई थी, अचानक उन्हें हटाने पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि ऐसा क्यों किया गया? छानबीन करने पर पता चलता है कि इस संबंध में नीति आयोग की सिफारिशें चीनी निवेश पर रोक हटाने का सबसे बड़ा कारण बनी। देखा जाए तो इन बंदिशों के कारण अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 के बीच चीन से

एफडीआई भारत में आने वाली कुल एफडीआई का मात्र 0.32 प्रतिशत यानी 2.51 अरब डालर रहा। लेकिन जहां चीन से आने वाली एफडीआई कम होती गई, इस दौरान चीन से बढ़ते आयातों के चलते चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2024-25 में 99.2 अरब डालर तक पहुंच गया। प्रेस नोट-3 के लागू होने के पहले भारत के स्टार्टअप में चीनी निवेशक बड़ी मात्रा में निवेश कर रहे थे। लेकिन 2020 के बाद सरकारी मंजूरी की बाध्यता के कारण चीनी निवेश धीमा हो गया। यही नहीं इस दौरान चीन की इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को न केवल नए ठेकों से बाहर किया गया, बल्कि जिन ठेकों के बारे में निर्णय लंबित था, उनसे भी चीन को बाहर कर दिया गया। क्या है नीति आयोग की सिफारिशें : सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने दो विकल्प सरकार के सामने रखे। पहला कि प्रेस नोट-3 को निरस्त कर दिया जाए और चीन से निवेश पूर्व की भांति बहाल किया जाए। नीति आयोग ने दूसरा विकल्प यह दिया कि चूंकि 2020 के बाद चीनी निवेश पर बंदिशें लगाने के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित हुआ है, इसलिए किसी भी भारतीय कंपनी में 24 प्रतिशत तक हिस्सेदारी वाले निवेश पर बिना किसी अनुमति के निवेश खोल दिया जाना चाहिए। इन सिफारिशों को मानना या न मानना सरकार पर निर्भर करता है। नीति आयोग का यह कहना है कि चीन की बीवाईडी नाम की कंपनी द्वारा कार मैन्युफैक्चरिंग के संयुक्त उपक्रम में एक अरब डालर के निवेश का प्रस्ताव इन नियमों के कारण निरस्त हुआ। चीन के निवेश पर लगी रोक के कारण दक्षिण एशियाई देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बहुत कम हो गया और देश में कुल निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एक अरब डालर से भी कम रह गया।

गंगा नदी में नाव पर चिकन बिरयानी खाने के मामले में 14 गिरफ्तार

वाराणसी (हिंस)। गंगा नदी में नाव पर रोजा इफ्तार पार्टी में चिकन बिरयानी खाने के मामले में अब तक 14 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अन्य लोगों कों पुलिस तलाश कर रही है। वाराणसी के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विजय प्रताप सिंह ने मंगलवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि मदनपुरा क्षेत्र के कई युवकों के नाव पर बैठकर रोजा इफ्तार की पार्टी करने का एक वीडिओ वायरल हुआ है। पार्टी के दौरान एक कंटेनर से चिकन बिरयानी निकाल कर खायी गई है। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रजत जायसवाल की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एसीपी ने बताया कि रोजा इफ्तार पार्टी के वीडियो को तहसीम ने बनाया है, जो मौके पर पार्टी में शामिल था। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने वीडियो में दिख रहे 14 लोगों को गिरफ्तार किया हैं और उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस वीडियो में दिख रहे बाकी लोगों की तलाश कर रही है।

जनगणना 2027 की तैयारियां तेज, एक मई से शुरू होगा मकानों की गणना का काम

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा राज्य में जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिला फतेहाबाद में जनगणना विभाग की ओर से तीन दिवसीय फील्ड ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा के सभागार में किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन डीसी डॉ. विवेक भारती ने मंगलवार से किया। इस अवसर पर सीटीएम गौरव गुप्ता भी मौजूद रहे। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि जनगणना देश का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसके आधार पर सरकार की नीतियां और विकास योजनाएं तय होती हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड ट्रेनर की भूमिका बेहद अहम है, क्योंकि यही प्रशिक्षक आगे प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि आज प्राप्त किया जा रहा प्रशिक्षण जनगणना कार्य की सफलता के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जितना बेहतर प्रशिक्षण फील्ड स्तर तक पहुंचेगा, जनगणना का कार्य उतना ही प्रभावी और त्रुटिरहित होगा।एक मई से मकानों की गणना का होगा काम शुरू डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य एक मई से 30 मई 2026 तक 30 दिनों की अवधि में किया जाएगा। इससे पूर्व 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को *जनगणना पोर्टल* के माध्यम से ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे लोग स्वयं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके पश्चात दूसरे चरण में फरवरी 2027 के दौरान जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। प्रथम चरण के बाद प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण चार्ज स्तर पर आयोजित किया जाएगा, ताकि फील्ड स्तर पर कार्य पूरी तरह व्यवस्थित और सुचारू रूप से संपन्न हो सके।35 फील्ड ट्रेनर ले रहे प्रशिक्षणसीटीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि इस जिलास्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 फील्ड ट्रेनर भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर डॉ. गुरनाम चंद व रक्षा देवी द्वारा जनगणना 2027 के निर्धारित मानकों के अनुरूप विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसमें मकान सूचीकरण, परिवार विवरण, डिजिटल डेटा संकलन, मोबाइल एप के उपयोग तथा फील्ड में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों से निपटने के तरीकों की जानकारी दी जा रही है।

राज्यसभा के पांचों सीट पर एनडीए उम्मीदवार की जीत पर जश्न

अररिया (हिंस)। प्रखंड के पटेगना चौक पर राज्यसभा की पांचों सीटों पर एनडीए की जीत के बाद उत्साही कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा के नेतृत्व में पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को रंग-अबीर लगाकर खुशी का इजहार किया तथा मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया। कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री आकाश राज, पटेगना मंडल अध्यक्ष अभिलाष ठाकुर, सांसद के रेल प्रतिनिधि राजा मिश्रा, मंडल महामंत्री अमित मंडल सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा वरिष्ठ जनसंघ कार्यकर्ता आशुतोष झा राहुल, राजू कुमार साह, प्रवक्ता कमलेश मंडल, श्याम मंडल, बालकृष्ण झा, संजय साह, दिनेश झा, शोभन झा, विनोद मंडल, शैलेन्द्र मंडल, राकेश कुमार, सीताराम सिंह, राजेश सिंह, प्रदीप पासवान अर्जुन सिंह, शंकर ऋषिदेव, गोलू ऋषिदेव और शाहिद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने इस जीत को जनता के विश्वास की जीत बताते हुए एक-दूसरे को बधाई दी और बताया आज एनडीए ने सभी क्षेत्रों में जनता का विश्वाश और भरोसा जीता है।

दिल्ली में युवक की हत्या पर जोधपुर में विरोध

जोधपुर (हिंस)। दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र में गत चार मार्च को खटीक समाज के युवक तरुण बुटोलिया की हत्या के विरोध में जोधपुर में मंगलवार को समाज के लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। खटीक समाज के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की गई। पार्षद अशोक खींची ने बताया कि 26 वर्षीय तरुण बुटोलिया, जो उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी का निवासी था, की कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार सहित पूरे समाज में असुरक्षा की भावना और रोष व्याप्त है। ज्ञापन में मांग की गई कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कर जल्द से जल्द न्याय सुनिश्चित किया जाए। साथ ही फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, दोषियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज कर कड़ी सजा देने की भी मांग उठाई गई। समाज के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त आरोपियों की अवैध संपत्ति को ध्वस्त करने की कार्रवाई करने की भी मांग रखी गई।

धरोहर संरक्षण के लिए करने होंगे प्रभावी प्रयास

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी तथा इन्टेक, बीकानेर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को रोटरी क्लब सभागार में *राजस्थान री अणमोल धरोहर* विषयक राजस्थानी संगोष्ठी आयोजित की गई। इन्टेक के कन्वीनर पृथ्वीराज रतनू ने कहा कि राजस्थान की असंख्य धरोहरें विश्वविख्यात हैं। हमें अपनी महान धरोहर पर गर्व करने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को भी इनके महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए। डॉ. रीतेश व्यास ने विषय-प्रवर्तन करते हुए धरोहर के मूर्त, अमूर्त, प्राकृतिक प्रकारों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और कहा कि धरोहर संरक्षण की दिशा में आमजन को भी प्रभावी भूमिका निभानी होगी। अकादमी सचिव शरद केवलिया ने राज्य की पुरातात्विक, स्थापत्य, सांस्कृतिक, धार्मिक, साहित्यिक, कला आदि क्षेत्रों की अमूल्य धरोहरों की जानकारी देते हुए कहा कि ये हमारे प्रदेश की पहचान, इतिहास, मूल्यों को दर्शाती हैं। डॉ. कृष्णलाल बिश्नोई ने अपनी राजस्थानी कविता *ख्यातां में सिरमौर* के माध्यम से राजस्थान की विभिन्न धरोहरों का महत्व बताया।

मातृशक्ति सम्मेलन और उपभोक्ता दिवस समारोह ग्राहक पंचायत के सम्मेलन में 17 महिलाओं का सम्मान

जोधपुर (हिंस)। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जोधपुर महानगर की ओर से मातृशक्ति सम्मेलन और उपभोक्ता दिवस समारोह सुदर्शन सेवा संस्थान में आयोजित किया गया। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जोधपुर महानगर के सचिव एडवोकेट मनोहर पालीवाल ने बताया कि मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध (शिकाऊ) नीरज शर्मा थी तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तिंवरी मंजू वर्मा मुख्य वक्ता और डॉ. मधु विश्नोई व वीणा पारीक विशिष्ट अतिथि थी। समारोह में जोधपुर में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 17 मातृशक्ति को सम्मानित किया गया तथा महिला अपराध एवं उपभोक्ताओं की समस्याओं और उनके बचाव के सम्बन्ध में कानूनी जानकारी दी गई। पुलिस कालिका टीम और शारदा पूनिया ने उपस्थित सभी महिलाओं के फोन में राजकोप सिटीजन एप डाउनलोड करवाकर इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की संयोजक महिला आयाम प्रमुख विनीता गौड़ ने मंच संचालन किया। ग्राहक पंचायत प्रचार प्रमुख एडवोकेट गोविन्द जोशी ने बताया कि समारोह में ग्राहक पंचायत के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार व्यास, प्रांत समन्वयक रामचंद्र चौधरी, एडवोकेट गोविन्द जोशी, रामकुमार, दौलाराम, गोरधनराम, संजय पालीवाल एडवोकेट, ललितेश, विनोद सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सचिव मनोहर पालीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गैस आपूर्ति पर कड़ी निगरानी, प्रशासन ने जताया भरोसा-घबराने की जरूरत नहीं

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर में घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर उत्पन्न आशंकाओं के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में बताया है। उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित विशेष टीम के संदर्भ में अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा और पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने मंगलवार को जिला सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिले में घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त भंडार मौजूद है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। प्रशासन ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और गैस एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। बुकिंग की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए मोबाइल फोन और ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करने पर विशेष जोर दिया गया है। वहीं अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी के लिए जिला स्तर पर आठ टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें गैस एजेंसियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग को भी नियंत्रित करेंगी। आवश्यक सेवाओं जैसे अस्पताल, छात्रावास, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक अवसरों के लिए निर्धारित प्राथमिकता के आधार पर वाणिज्यिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

विराट सिंधु मेले में उमड़ा जनसैलाब : मोहित सेवानी के गीतों पर झूमे लोग

जयपुर (हिंस)। पूज्य सिंधी पंचायत सेक्टर-12 मानसरोवर एवं श्री झूलेलाल फाउंडेशन राजस्थान के तत्वावधान में 9वें विराट सिंधु मेले का आयोजन एसएफएस सामुदायिक केंद्र मानसरोवर में धूमधाम से किया गया। मेला प्रमुख एवं समिति के अध्यक्ष मुकेश लख्याणी ने बताया कि मानसरोवर की पूज्य सिंधी पंचायत एवं श्री झूलेलाल फाउंडेशन पिछले 9 वर्षों से समाज को संगठित करने और सिंधियत की परंपरा को बनाए रखने के उद्देश्य से विराट सिंधु मेले का आयोजन करते आ रहे हैं। सिंधियत को सजीव प्रारूप प्रदान करता हुए ये सिंधु मेले की शुरुआत से पूर्व 501 ज्योतों की विशाल ज्योत यात्रा झूलेलाल मंदिर से कार्यक्रम स्थल तक बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ निकाली गई। यह जयपुर की पहली ऐसी भव्य ज्योत यात्रा थी, जिसमें समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। मेले की शुरुआत बच्चों की रंग भरो प्रतियोगिता तथा विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं से की गई, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में कई तरह के व्यंजनों के स्टाल लगाए गए, साथ ही भोजन की व्यवस्था भी की गई। मेले में झांकियों द्वारा सिंध की हिंगलाज माता की गुफा दर्शन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही, साथ ही सिंधी स्कूल व अमरापुर दरबार का झांकी प्रदर्शन भी रहा। इस कार्यक्रम के दौरान मंच पर अमरापुर दरबार के संतों सहित अनेक सिंधी संतजन उपस्थित रहे। साथ ही काले हनुमान जी मंदिर, चांदी की टकसाल से गोपालदास महाराज, खाटू श्याम से मनवेंद्र सिंह, जयपुर के पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, पूर्व डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत, चेयरमेन भारती लखयानी, पार्षद मनोज तेजवानी सहित कई नेताओं की उपस्थिति रही। विराट सिंधु मेला हर वर्ष संस्था द्वारा बड़े ही उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित किया जाता है, जिसमें समाज के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। इस बार के मेले को भव्य एवं आकर्षित बनाने हेतु पंचायत द्वारा विश्व विख्यात गायक मोहित सेवानी को बुलाया गया, मोहित सेवानी ने समाज को सिंध, सिंधी, सिंधियत का मतलब समझाने के उद्देश्य से कार्यक्रम प्रदर्शित किया लोगो ने बहुत बड़ी संख्या में गायक के गानों पर खूब धमाल किया।

वर्दी नहीं पहनने वाले 522 चालकों के काटे 3.71 लाख के चालान

गुरुग्राम (हिंस)। बिना वर्दी पहने ऑटो, ई-रिक्शा व टैक्सी चलाने वालों पर यातायात पुलिस ने शिकंजा कसते हुए उनके चालान काटे। कुल 522 वाहन चालकों के चालान काटकर उन पर 3.71 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, ई-रिक्शा और टैक्सी चालकों के खिलाफ यूनिफॉर्म न पहनकर चलने पर विशेष चालान अभियान चलाया गया। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा विभिन्न चौक चौराहों पर जाकर ऑटो, ई-रिक्शा, टैक्सी चालकों को जागरुक तो किया ही गया, साथ ही बिना वर्दी पहने अपने वाहनों को चलाते हुए पाए जाने पर उनके चालान भी काटे गए। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा नौ मार्च 2026 से 15 मार्च 2026 तक 522 चालान किए गए, जिन पर 3.71 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। यातायात पुलिस द्वारा ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, ई-रिक्शा चालकों को जागरूकता अभियान के दौरान यात्रियों के साथ मधुर व्यवहार करने, वाहन को निर्धारित गति में चलाने, मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने, किसी भी प्रकार का नशा न करने, यातायात नियमों की पालना करने के लिए भी जागरुक किया गया। डायल 112 और हेल्पलाइन नंबर 1095 की भी जानकारी भी दी गई। सभी ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा और टैक्सी चालकों को निर्देश दिए गए कि वे अपना वाहन चलाते समय निर्धारित की गई ग्रे वर्दी अवश्य पहनें और अनावश्यक चालान से बचें। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा इस प्रकार के चालान अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

भूमाफिया के होटल पर चला बुलडोजर, चारागाह की 10 करोड़ की जमीन कब्जामुक्त : अबिचल प्रताप सिंह

कानपुर (हिंस)। जिलाधिकारी के निर्देशन में भूमाफियाओं के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत मंगलवार को तहसील प्रशासन ने नवेली पावर प्लांट के सामने कानपुर-हमीरपुर हाईवे पर स्थित चारागाह की बेशकीमती जमीन पर बुलडोजर चलाकर कब्जामुक्त कराया। करीब 56 बिस्वा (0.5600 हेक्टेयर) पशुचर भूमि, जिसकी बाजार कीमत लगभग 10 करोड़ रुपए आंकी गई है, को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई। मौके पर तहसीलदार अंकिता पाठक, नायब तहसीलदार धर्मेंद्र चौधरी, राजस्व निरीक्षक इंद्र कुमार, लेखपाल शीलेश भारती और रविंद्र तिवारी सहित राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना सजेती की पुलिस फोर्स चौकी प्रभारी नैवेली अनुराग सिंह के नेतृत्व में तैनात रही। राजस्व अभिलेखों के अनुसार गाटा संख्या 349 ख (0.3826 हेक्टेयर) तथा गाटा संख्या 350 (1.6800 हेक्टेयर) पशुचर भूमि के रूप में दर्ज हैं। आरोप है कि कोयला नगर निवासी राजवीर सिंह पुत्र संतोष सिंह और उनके परिवार ने चारागाह की जमीन के करीब 56 बिस्वा हिस्से पर कब्जा कर कालिंदी होटल नाम से भवन बना लिया था। कब्जेदारों ने होटल लॉन, सड़क और अन्य सुविधाएं विकसित कर भूमि को व्यावसायिक उपयोग में ले लिया था। राजस्व विभाग ने पहले भी निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए थे, लेकिन कब्जेदारों ने अवैध निर्माण जारी रखा। शनिवार को उपजिलाधिकारी ने चेतावनी दी थी, सोमवार को भी राजस्व टीम ने कब्जा हटाने को कहा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद मंगलवार सुबह संयुक्त टीम ने बुलडोजर से अवैध निर्माण हटाकर भूमि को कब्जामुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान होटल प्रबंधन ने विरोध किया। मौके पर प्रतिरोध कर रहे होटल मैनेजर को पुलिस ने हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। कब्जेदारों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के बाद ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव की मौजूदगी में कब्जामुक्त भूमि पर सूचना बोर्ड लगाकर इसे सुरक्षित किया गया। मौके पर ही हरे चारे की बुआई कराई गई, जिससे यह भूमि गौवंशों के चारे के लिए उपयोग में लाई जा सके। उपजिलाधिकारी अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई भूमाफियाओं और लैंड ग्रैबर्स के लिए चेतावनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित भूमि को किसी भी हालत में कब्जेदारों को नहीं छोड़ा जाएगा और इसे जनहित से जुड़ी शासकीय परियोजनाओं के लिए सुरक्षित किया जाएगा। तहसीलदार अंकिता पाठक ने बताया कि यह भूमि आरक्षित श्रेणी की है और इसका उपयोग केवल गोवंशों के लिए चारा उत्पादन में किया जाता है, इसलिए किसी भी निजी या व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसानों का उत्पीड़न नहीं रूका तो होगा आंदोलन : अनु सिंह

प्रयागराज (हिंस)। भारत न्याय अभियान ने गोविंदपुर क्षेत्र में किसानों की संक्रमणीय जमीन पर कब्जे को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभियान की संयोजक अनु सिंह ने मंगलवार को मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि गोविंदपुर क्षेत्र में एमएनएनआईटी से सटी किसानों की संक्रमणीय भूमि पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय अपना दावा कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित जमीन पर कई किसानों का पुश्तैनी से कब्जा चला आ रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से विश्वविद्यालय प्रशासन निजी सुरक्षा गार्डों के माध्यम से जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। काश्तकारों का कहना है कि गोविंदपुर तालुका असदुल्लापुर, परगना एवं तहसील प्रयागराज में उनकी अलग-अलग आराजी की जमीन है, जिसकी कीमत करोड़ों रुपए में है। किसानों ने बताया कि सदर तहसीलदार के निर्देश पर राजस्व निरीक्षक से जमीन की पैमाइश भी कराई जा चुकी है, जिसके दस्तावेज उनके पास मौजूद हैं। इसके बावजूद उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। इस संबंध में भारत न्याय अभियान की ओर से काश्तकारों के साथ जिलाधिकारी प्रयागराज से मुलाकात कर जमीन से जुड़े दस्तावेज सौंपे गए और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई। जिलाधिकारी ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अनु सिंह ने चेतावनी दी कि यदि किसानों का उत्पीड़न नहीं रुका, तो वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत करेंगे। जरूरत पड़ने पर न्यायालय का भी रुख करेंगे।

पटना उच्च न्यायालय का बड़ा आदेश : आरओबी मामले में मकान तोड़ने पर रोक, रेलवे से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

नवादा (हिंस)। पटना उच्च न्यायालय ने नवादा के आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा हस्तक्षेप करते हुए याचिकाकर्ता के मकान तोड़ने की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। न्यायालय ने इस मामले में भारतीय रेलवे को नोटिस जारी कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला नवादा निवासी अजय साव द्वारा दायर सिविल रिट याचिका से संबंधित है, जिसमें उन्होंने अपने विरुद्ध शुरू की गई अतिक्रमण (एन्क्रोचमेंट) कार्रवाई को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का आरोप है कि बिना स्पष्ट आधार के उनके मकान को रेलवे की भूमि बताते हुए उसे तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। मामले की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने अपने सिविल क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते हुए याचिकाकर्ता की शिकायत को गंभीरता से लिया। अदालत ने रेलवे प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह स्पष्ट करें कि विवादित भूमि को किस आधार पर रेलवे की संपत्ति माना गया है। साथ ही यह भी बताने को कहा गया है कि उक्त जमीन को अतिक्रमित घोषित करने के लिए किन दस्तावेजों और प्रक्रियाओं का सहारा लिया गया। न्यायालय ने विशेष रूप से यह जानना चाहा है कि क्या अतिक्रमण की कार्रवाई विधि सम्मत तरीके से की गई या नहीं। अदालत ने रेलवे को निर्देशित किया कि वे सभी संबंधित रिकॉर्ड और साक्ष्य के साथ विस्तृत जवाब दाखिल करें, ताकि मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। याचिकाकर्ता की ओर से प्रस्तुत तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए न्यायालय ने अंतरिम राहत प्रदान करते हुए स्पष्ट आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ता राम अजय शाह के विरुद्ध किसी भी प्रकार की दमनात्मक (नो कोअर्सिव) कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसका सीधा अर्थ है कि फिलहाल उनके मकान को नहीं तोड़ा जा सकेगा और यथास्थिति बनी रहेगी। इस आदेश से याचिकाकर्ता को बड़ी राहत मिली है, जबकि रेलवे प्रशासन के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह अपने दावे को ठोस आधार और दस्तावेजों के साथ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करे। मामले में अगली सुनवाई रेलवे द्वारा रिपोर्ट दाखिल किए जाने के बाद की जाएगी। तब तक न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि अतिक्रमण की वैधता की पूरी जांच होने तक किसी भी प्रकार की कठोर कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह आदेश न केवल इस मामले के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ऐसे अन्य मामलों के लिए भी एक मिसाल बन सकता है, जहां बिना पर्याप्त जांच के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है।

नदियामी में 19 से 28 अप्रैल तक लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एक हजार कन्याओं के साथ निकलेगी भव्य कलश यात्रा

दरभंगा (हिंस)। बिहार में दरभंगा जिले के अलीनगर प्रखंड क्षेत्र के नदियामी गांव में आगामी 19 अप्रैल से 28 अप्रैल तक भव्य लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल है और आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। महायज्ञ कमेटी के सदस्य शशि नारायण चौधरी एवं संजीव कुमार चौधरी ने बताया कि महायज्ञ की शुरुआत 19 अप्रैल को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। इस कलश यात्रा में लगभग एक हजार कन्याएं भाग लेंगी। कलश यात्रा महायज्ञ स्थल से निकलकर ठेंगहा के निकट स्थित फेटकी कुटी तक जाएगी, जिसकी दूरी लगभग दस किलोमीटर बताई जा रही है। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा भक्ति-मय वातावरण के बीच यात्रा का स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महायज्ञ स्थल नदियामी उच्च विद्यालय प्लस टू के निकट बनाया जा रहा है, जो लगभग सवा सौ एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। आयोजन के दौरान करीब पचास लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। महायज्ञ के दौरान सुप्रसिद्ध कथावाचिका जया किशोरी का प्रवचन 20 अप्रैल से 27 अप्रैल तक प्रतिदिन होगा, जिसे सुनने के लिए दूर-दराज से श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसके अलावा प्रख्यात लोकगायिका एवं अलीनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक मैथिली ठाकुर का भक्ति गायन कार्यक्रम भी प्रस्तावित है, जिससे महायज्ञ का माहौल और भी भक्तिमय होने की उम्मीद है। महायज्ञ की सफलता को लेकर स्थानीय कार्यकर्ता रामचंद्र शाहू, रामेश्वर शाहू, धीरज कुमार शाहू, रामवतार शाहू तथा रामविलास शाहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण सक्रिय रूप से तैयारी में जुटे हुए हैं। आयोजन समिति का कहना है कि यह महायज्ञ क्षेत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में एक ऐतिहासिक आयोजन साबित होगा

भारत वाणिज्य मंडल ने की निर्यातकों के लिए बैंकिंग राहत की मांग

कोलकाता

भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) ने भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वित्तीय राहत देने के लिए उपाय करने का आग्रह किया है। मंडल ने कहा कि यह क्षेत्र न केवल भारतीय निर्यात का प्रमुख गंतव्य है, बल्कि यूरोप और अफ्रीका जाने वाले माल के लिए महत्वपूर्ण ट्रांस-शिपमेंट केंद्र भी है।

पश्चिम एशिया में तनाव से शिपिंग प्रभावित, व्यापार मंडल ने आरबीआई को लिखा पत्र

वर्तमान में जहाजों के मार्ग बदल रहे हैं, बंदरगाहों पर भीड़ बढ़ रही है, माल भाड़ा और बीमा लागत बढ़ गई है, और परिवहन अवधि लंबी हो गई है। इससे निर्यातकों की कार्यशील पूंजी और नकदी प्रवाह पर दबाव पड़ा है। बीसीसी ने आरबीआई से बैंकों को निर्यातकों के लिए सहायक उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया है। इसमें शामिल हैं:

- कार्यशील पूंजी सीमा बढ़ाना और तदर्थ ऋण प्रदान करना।
- शिपमेंट से पहले और बाद में निर्यात ऋण की अवधि बढ़ाना।
- पैकिंग क्रेडिट में अधिक लचीलापन।
- निर्यात बिल की देय तिथियों को बढ़ाना।
- ऋण अदायगी पर स्थगन अवधि को 2026 की पहली और दूसरी तिमाही तक बढ़ाना।
- शिपिंग में देरी के कारण भुगतान पर दंडात्मक ब्याज से बचाना और ब्याज समानीकरण योजना के लाभ सुरक्षित रखना।
- परिवहन अवधि वाले निर्यात बिल के लिए समय को सामान्य परिवहन अवधि + 60 दिन तक बढ़ाना।
- बिल डिस्काउंटिंग सुविधाओं में स्पष्टता और मजबूती लाना।

बीसीसी ने चेताया कि नाशवंत और मौसमी फैशन उत्पादों से जुड़े निर्यातक विशेष रूप से प्रभावित हैं। शिपमेंट में देरी होने पर मौसमी मांग का समय निकल जाने से माल का मूल्य घट सकता है, जिससे छोटे और मध्यम उद्यमों पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। बीसीसी ने कहा कि इन उपायों से निर्यातकों को वित्तीय स्थिरता और संचालन में राहत मिलेगी, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के वर्तमान व्यवधान को प्रभावी ढंग से झेला जा सकेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

होर्मुज से 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार पोर्ट पहुंचा 'नंदा देवी

नई दिल्ली। देश में एलपीजी की किल्लत के बीच शिवालिक के बाद अब एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी 47 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। इस समय नंदा देवी से एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जा रहा है। गुजरात के दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने मंगलवार को वडीनार टर्मिनल के पास स्थित मिड सी का दौरा किया। यहां पहुंचे एलपीजी कैरियर नंदा देवी जहाज नंदा देवी के कैप्टन और क्रू-मेंबर से बातचीत की। मिड सी में ही नंदा देवी से पूरी 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद एलपीजी का आधा स्टॉक एन्नोर बंदरगाह में ऑफलोड किया जाएगा। इसके साथ ही आधा स्टॉक पश्चिम बंगाल के हल्दीया बंदरगाह पर ऑफलोड होगा। मुंद्रा बंदरगाह पर खड़ा शिवालिक एलपीजी कैरियर अब मुंद्रा में 12 हजार टन एलपीजी का स्टॉक ऑफलोड करके वडीनार मिड सी में जाएगा और शाम को बाकी का बचा स्टॉक बीच समुद्र में दूसरे शिप में ट्रांसफर करेगा, जो बाद में उस स्टॉक को गुजरात के भरूच जिले में खंभात की खाड़ी में स्थित दाहेज बंदरगाह पर और मैंगलोर के दो अलग-अलग टर्मिनल्स पर ऑफ लोड करेगा।

कच्चे तेल में उछाल, फिर भी भारत में पेट्रोल-डीजल स्थिर, खाड़ी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा से बढ़ी वैश्विक कीमतें

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है, जो 136

डालर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह जलमार्ग दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है, जिससे संकट और गहरा गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर भारत की तेल आयात लागत पर पड़ा है। इंडियन आयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों की लागत बढ़ी है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है। इसके बावजूद, देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में दाम स्थिर बने हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार फिलहाल कीमतों में वृद्धि से बच रही है।

भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है: नैसकाम

नई दिल्ली। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच, कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं। नैसकाम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को नैसकाम ग्लोबल कान्फ्लुएंस 2026 में कहा कि इस बदलते परिदृश्य में भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है। नांबियार ने बताया कि निर्यात पर निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग अब असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों और कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीकों को बदल दिया है। अब दक्षता महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्णय लेने में मजबूती और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल रही है। भारत एक विश्वसनीय लोकतंत्र होने के साथ-साथ नवाचार के लिए एक विशाल और विविध प्रयोगशाला है। देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और अन्य उद्योग में 30-40 लाख लोग काम कर रहे हैं। ये प्रतिभाएं एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रही हैं। नांबियार ने आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफार्म का उदाहरण देते हुए कहा कि ये दुनिया के लिए उपयोगी माडल बन सकते हैं। उपयोगकर्ताओं की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता और परस्पर संचालन जैसे सिद्धांत वैश्विक डिजिटल पारिस्थितिकी में महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का पसंदीदा साझेदार बनने का आधार केवल प्रौद्योगिकी नहीं, बल्कि साझा मूल्य और साझा आकांक्षाएं भी हैं। इस नए तकनीकी दौर में कोई देश अकेले नहीं आगे बढ़ सकता।

कैप्टिव अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलेगा नया प्रोत्साहन, नियम हुए आसान

संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी

नई दिल्ली

केंद्रीय सरकार ने बिजली (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं, जिनका मकसद निजी इस्तेमाल वाले (कैप्टिव) बिजली संयंत्रों के नियमों को आधुनिक कार्पोरेट समूहों के अनुरूप बनाना है। नए नियम समूह कंपनियों को कैप्टिव बिजली का लाभ लेने में अधिक सुविधा और स्पष्टता प्रदान करेंगे। इससे उद्योगों को अक्षय ऊर्जा अपनाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को गति मिलेगी। पहले कैप्टिव बिजली नियमों की संकीर्ण व्याख्या के कारण वैध समूह इकाइयां भी बिजली का इस्तेमाल नहीं कर पाती थीं। नए नियम में ग्रुप कैप्टिव माडल को सरल किया गया है। अब कंपनियों को 51 फीसदी उपभोग की आवश्यकता को व्यक्तिगत रूप से नहीं, बल्कि समूह स्तर पर पूरा करने की अनुमति होगी। इससे अनुपालन जोखिम कम होगा और कंपनियों को लचीलापन मिलेगा। कंपनियां अक्सर गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित कैप्टिव पावर के लिए विशेष उद्देश्य इकाइयां (एसपीवी) या एओपी (एओपी) बनाती हैं। ये इकाइयां उत्पादन केंद्र के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभाती हैं। पुराने नियमों में व्याख्या संबंधी समस्याओं के कारण समूह के कई प्रोजेक्ट्स अपने निवेश का पूरा लाभ नहीं ले पाते थे। नए संशोधन से इस बाधा को दूर किया गया है। संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, नियमों को आसान बनाने से अक्षय ऊर्जा अपनाना आसान होगा और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा निवेश और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एनएफआरए ने जारी की चार बड़ी आडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने चार प्रमुख आडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की है, जिनमें प्राइस वाटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (पीडब्ल्यूसीए), बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी एंड कंपनी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स शामिल हैं। ये रिपोर्ट वित्त वर्ष 26 की गतिविधियों को कवर करती हैं। एनएफआरए ने कहा कि सभी फर्मों के लिए गैर-आडिट सेवाओं पर नियंत्रण मजबूत करने, दस्तावेजीकरण में सुधार और सहायक कंपनियों को ऋण देने में निष्पक्ष दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है। निरीक्षण रिपोर्ट में पाई गई कमजोरियों को सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि फर्मों के काम का नकारात्मक मूल्यांकन। पीडब्ल्यूसीए ने अपनी सहायक कंपनियों को 8.5 फीसदी ब्याज दर पर ऋण दिया, जिसे एनएफआरए ने निष्पक्ष माना, लेकिन यह भी कहा कि पर्याप्त आडिट प्रक्रियाओं का सबूत नही मिला। एक आडिट मामले में होल्डिंग कंपनी पर चल रहे सीबीआई केस के प्रभाव का मूल्यांकन रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं था। मानव संसाधन में भी कमी पाई गई; एक नियुक्त सीए की नकली डिग्री थी, जिसे दो साल बाद सत्यापन प्रक्रिया में पता चला और फर्म ने सेवामुक्त कर दिया। बीएसआर ने स्वतंत्रता और पिछले निरीक्षण निष्कर्षों का पालन किया, लेकिन नियामक ने गैर-आडिट सेवाओं की नीतियों और समस्या के मूल कारणों के विश्लेषण को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई। एनएफआरए की ये रिपोर्टें आडिट फर्मों को सुधार और पारदर्शिता बढ़ाने का संकेत देती हैं। इसमें वित्तीय प्रक्रियाओं, मानव संसाधन और नीति अनुपालन जैसे क्षेत्रों में सुधार के अवसरों पर जोर दिया गया है, ताकि आडिट उद्योग की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनी रहे ।

कास्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना कर बनाएगी क्षेत्रीय साइबर हब

नई दिल्ली

वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी भारत को क्षेत्रीय सेवाओं का केंद्र (हब) बनाने पर जोर दे रही है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकारी ने कहा कि भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड आपरेशन स्थापित किए जाएंगे ताकि स्थानीय और क्षेत्रीय ग्राहकों को बेहतर सेवाएं दी जा सकें। उन्होंने बताया कि 2024 में कास्पर्स्की ने मजबूत दो अंकों की वृद्धि दर्ज की।

भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड आपरेशन स्थापित किए जाएंगे

उन्होंने कहा कि 2025 के वित्तीय परिणाम और भी बेहतर रहने की संभावना है। कंपनी केवल कार्यालय और कर्मचारियों में निवेश ही नहीं बढ़ाएगी, बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है, तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कंपनी स्थानीय कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगी और क्लाउड सेवाओं के विस्तार पर ध्यान देगी। अधिकारी ने चेतावनी दी कि 2026 में साइबर हमले बढ़ सकते हैं। 2025 में कास्पर्स्की ने भारत में 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका। उन्होंने कहा कि डीपफेक जैसे खतरे एआई उपकरणों की आसान उपलब्धता के कारण तेजी से बढ़ रहे हैं और अब एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग जरूरी हो गया है। उन्होंने माना कि एआई बुनियादी अकाउंटिंग, साफ्टवेयर कोडिंग और वेब प्रबंधन जैसे कार्यों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सभी को खुद को अपग्रेड करने और कौशल उन्नयन पर ध्यान देने की सलाह दी।

यूनियन बैंक आफ इंडिया की नई 444-दिन एफडी योजना

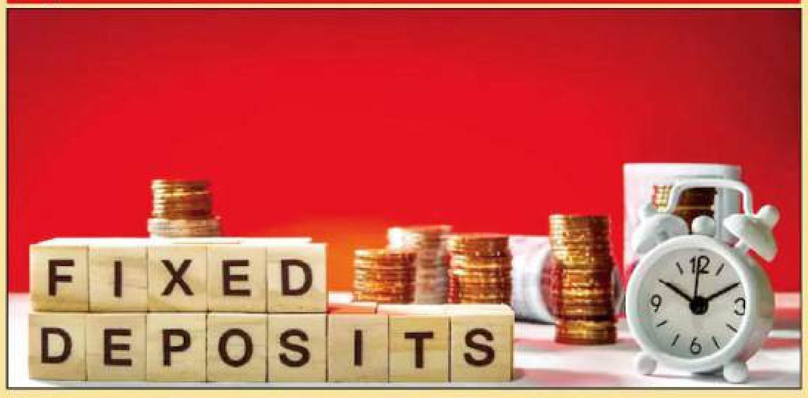

नई दिल्ली। यूनियन बैंक आफ इंडिया ने निवेशकों के लिए अपनी नई 444-दिन फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) योजना पेश की है। बैंक में निवेश की अवधि केवल 1 सप्ताह से लेकर 10 साल तक चुनी जा सकती है। यह विशेष योजना उन लोगों के लिए है जो करीब डेढ़ साल के लिए सुरक्षित और सुनिश्चित लाभ चाहते हैं। इस एफडी योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उम्र के अनुसार ब्याज दरें बढ़ती हैं। आम नागरिकों (60 साल से कम उम्र) के लिए ब्याज दर 6.60 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों (60 साल से अधिक) के लिए 7.10 फीसदी और सुपर वरिष्ठ नागरिकों (80 साल से ऊपर) के लिए 7.35 फीसदी तय की गई है। मान लीजिए कोई निवेशक इस योजना में 2 लाख रुपये जमा करता है तो आम नागरिक को 2,16,577 रुपये (16,577 रुपये ब्याज), वरिष्ठ नागरिक को 2,17,876 रुपये (17,876 रुपये ब्याज) और सुपर वरिष्ठ नागरिक को 2,18,528 रुपये (18,528 रुपये ब्याज) मिलेगा। सरकारी बैंक होने के कारण इस एफडी में निवेश पूरी तरह सुरक्षित है। बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम नहीं है, और तय अवधि के बाद गारंटीड आय सुनिश्चित होती है।

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में गिरावट का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में पहले सत्र के कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत में ही हाजिर सोने के भाव में 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये से लेकर 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये से लेकर 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,57,560 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार भी बढ़त के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारों ने लिवाली का जोर दिखाया, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,699.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 268.82 अंक यानी 1.22 प्रतिशत उछल कर 22,374.18 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,893.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,317.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,935.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 116.72 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,564.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया के बाजार में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,083.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 98.50 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,484 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 107.85 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,859 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। सेट कंपोजिट इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 2.36 प्रतिशत उछल कर 1,438.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 129.20 अंक यानी 2.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,679.05 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 536.12 अंक यानी 1.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 33,878.63 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,102.14 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.12 प्रतिशत उछल कर 4,923.30 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 216.98 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,051 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्रीमियर लीग के इंडिया सुपर फैन बने रियान पराग, यादगार रहा लंदन का दौरा

लंदन

भारतीय क्रिकेटर रियान पराग ने अपने ब्रिटेन दौरे के समय प्रीमियर लीग के रोमांच को बेहद करीब से महसूस किया। राजस्थान रायल्स के नए कप्तान के रूप में पराग एक सप्ताह तक इंग्लैंड में रहे, जहां उन्होंने मैदान पर मुकाबलों को प्रत्यक्ष रूप से देखा, खिलाड़ियों से मुलाकात की। रियान पराग का यह दौरा न केवल उनके लिए एक यादगार अनुभव रहा, बल्कि भारतीय खेल प्रेमियों के लिए भी गर्व का विषय बना।

प्रीमियर लीग के निर्णायक चरण में पराग ने मैनचेस्टर सिटी और वेस्ट हैम यूनाइटेड के बीच मुकाबला लंदन स्टेडियम में देखा। 62,500 दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर खेला गया यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

पराग ने इस अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, प्रीमियर लीग का भारत में बहुत बड़ा प्रशंसक वर्ग है और मैं बचपन से इसे देखता आया हूं। लंदन स्टेडियम में मौजूद रहकर दर्शकों की आवाज, उनके नारे और पूरा माहौल महसूस करना वास्तव में अद्भुत था। जब पूरा स्टेडियम एक साथ टीम का समर्थन करता है, तो जो गूंज बनती है, वह बेहद खास होती है। भारत में क्रिकेट को लेकर भी ऐसा ही जुनून देखने को मिलता है, इसलिए उससे तुरंत जुड़ाव महसूस होता है। वहां जाकर लाखों प्रशंसकों का सपना जीना मेरे लिए यादगार अनुभव रहा। दौरे के दौरान पराग ने वेस्ट हैम यूनाइटेड के अभ्यास केंद्र का भी दौरा किया, जहां उन्होंने टीम की तैयारियों को नजदीक से देखा। इस दौरान उनकी मुलाकात टीम के कप्तान जेरोड बोवेन से हुई। दोनों खिलाड़ियों ने कप्तानी, दबाव में प्रदर्शन और महत्वपूर्ण मुकाबलों की तैयारी जैसे विषयों पर विचार साझा किए। पराग ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर यह देखना हमेशा दिलचस्प होता है कि दूसरे खेलों के खिलाड़ी बड़े मुकाबलों की तैयारी कैसे करते हैं। अभ्यास सत्रों को देखकर और जारोड बोवेन से बातचीत कर यह समझ आया कि प्रीमियर लीग स्तर पर कितनी बारीकी और अनुशासन की जरूरत होती है। हमने नेतृत्व और टीम को प्रेरित रखने के महत्व पर भी चर्चा की। खेल भले अलग हों, लेकिन ड्रेसिंग रूम की सोच, जीत की भूख और टीम का माहौल काफी हद तक एक जैसा होता है।

वान ने विराट और बुमराह को आईपीएल इतिहास का बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज करार दिया

मुम्बई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा है कि आईपीएल में सबसे महान बल्लेबाजों की बात की जाये तो वह रायल चैलेंर्स बेंगलुरु के विराट कोहली को नंबर एक स्थान देते हैं, वहीं गेंदबाजी में उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नंबर एक स्थान पर रखा है। वान ने कहा कि इस लीग में एक से बढ़कर एक खिलाड़ी रहे हैं पर विराट सबसे अलग हैं। उनके खेल में जिस प्रकार की निरंतरता रही है कोई उसके करीब नहीं है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि क्रिस गेल, सुरेश रैना , रोहित शर्मा और जोस बटलर जैसे बल्लेबाजों ने भी इस लीग में बेहतरीन प्रदर्शन किया है पर विराट की बात अलग रही है। वान ने कहा, कई अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, इसमें क्रिस गेल, सुरेश रैना के अलावा रोहित शर्मा और जोस बटलर हैं पर अगर एक नाम तय करना हो तो वह विराट ही होंगे। वह कई वर्षों से स्टार खिलाड़ी रहे हैं और अभी भी शानदार खेल रहे हैं वहीं वान ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लीग का नंबर एक गेंदबाज बताया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान और श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसित मलिंग भी काफी अच्छे रहे हैं पर बुमराह सबसे अलग हैं।

न्यूज ब्रीफ

पिंडली की चोट के कारण डेन वान निकर्क न्यूज़ीलैंड दौरे से बाहर एनेके बाश टीम में शामिल

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी डेन वान निकर्क पिंडली (काफ) की चोट के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 32 वर्षीय खिलाड़ी दाएं पैर की पिंडली में चोट से जूझ रही हैं। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच पहले महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले ही उन्हें असहजता महसूस हुई थी, जिसके चलते वह उस मैच में नहीं खेल पाईं। अब वह शेष टी-20 मुकाबलों के साथ-साथ आगामी तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में भी हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका टीम में एनेके बाश को शामिल किया गया है। वान नीकर्क ने दिसंबर में चार साल के अंतराल के बाद टी-20 टीम में वापसी की थी और आयरलैंड व पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबलों मे खेली थीं। हालांकि वह पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पाई थीं, लेकिन न्यूजीलैंड दौरे पर इस प्रारूप में खेलने की उम्मीद थी। एनेके बाश नवंबर 2024 के बाद अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल सकती हैं। वह उस दक्षिण अफ्रीकी टीम का हिस्सा थीं, जिसे 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी-20 मुकाबला मंगलवार (17 मार्च) को खेला जाएगा, जिसके बाद तीन और टी-20 मुकाबले और फिर तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला आयोजित होगी।

एएफसी एशियन कप 2027 के लिए वियतनाम क्वालीफाई, मलेशिया बाहर

कुआलालंपुर। एएफसी एशियन कप 2027 की दौड़ में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। एशियाई फुटबाल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति के फैसले के बाद मलेशिया को बाहर कर दिया गया, जबकि वियतनाम ने टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह फैसला मलेशिया के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है, जबकि वियतनाम के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। जहांगीर बगलारी की अध्यक्षता वाली एशियाई फुटबाल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति ने पाया कि मलेशिया फुटबाल संघ ने नियमों का उल्लंघन किया है। जांच में सामने आया कि टीम ने क्वालीफायर मुकाबलों में अयोग्य खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा था। यह कार्रवाई वियतनाम और नेपाल के खिलाफ खेले गए उन मुकाबलों को लेकर की गई, जिनमें मलेशिया ने क्रमशः 4-0 और 2-0 से जीत दर्ज की थी। समिति ने नियमों के तहत इन दोनों मैचों में मलेशिया को 3-0 से पराजित घोषित कर दिया। मलेशिया फुटबाल संघ ने अपने बयान में बताया कि इस फैसले के तहत उस पर 50 हजार अमेरिकी डालर का जुर्माना भी लगाया गया है। साथ ही, संघ ने कहा है कि वह इस निर्णय के कारणों को जानने के लिए लिखित अनुरोध करेगा और आगे की कार्रवाई पर विचार करेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर हुए बेवन जैकब्स, कवर के तौर पर कटेने क्लार्क शामिल

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है।

मिडिल आर्डर बल्लेबाज बेवन जैकब्स घुटने की चोट के कारण इस मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अनकैप्ड खिलाड़ी कटेने क्लार्क को टीम में कवर के तौर पर शामिल किया गया है। 23 वर्षीय जैकब्स को पहला टी20 खेलते समय माउंट माउंगानुई में फील्डिंग के दौरान बाएं घुटने में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। स्कैन में उनके घुटने के किनारे बोन ब्रूजिंग (हड्डी में चोट) की पुष्टि हुई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि उनकी वापसी को लेकर आगे और जांच की जाएगी। वहीं 26 वर्षीय कटेने क्लार्क हाल ही में नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की सुपर स्मैश खिताबी जीत में शानदार फार्म में नजर आए थे। उन्होंने टूर्नामेंट में 9 पारियों में 431 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.57 और स्ट्राइक रेट 171.71 रहा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 मुकाबला मंगलवार, 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

आरसीबी अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल सकेगी आईपीएल मैच

बेंगलुरु

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बेंगलुरु के अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के आयोजन की अनुमति मिल गयी है। ऐसे में अब आरसीबी 28 मार्च को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत कर करेगी। पिछले साल आरसीबी की जीत के बाद हुए एक समारोह में भगदड़ मच जाने के कारण कई लोगों की मौत को देखते हुए इस मैदान पर मैचों के आयोजन पर रोक लगा दी गयी थी जो अब हट गयी है। सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति ने इस स्थल को मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब आरसीबी यहां सत्र के पहले मैच के साथ ही एक प्लेआफ मुकाबला और फाइनल भी खेला जाएगा। आईपीएल में यह परंपरा रही है कि मौजूदा चैंपियन टीम घरेलू मैदान पर फाइनल खेलती है।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर द्वारा नियुक्त समिति ने स्टेडियम का गहन निरीक्षण किया और पूरे दिन चले आडिट में स्ट्रक्चरल कंप्लायंस और भीड़ नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जांच की गई। जी महेश्वर राव की अध्यक्षता वाले कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अधिकारियों, आरसीबी के शीर्ष अधिकारियों और विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के बीच बैठक के बाद इस स्टेडियम को मंजूरी दी गई। गौरतलब है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी पांच मैच खेलेगी जबकि दो मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह फैसला फ्रेंचाइजी और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच हुए पूर्व समझौते के तहत लिया गया है। आरसीबी ने केएससीए के साथ मिलकर डिजिटल क्यूआर कोडेड टिकट जारी करने का फैसला किया है जिससे स्टेडियम के पास भीड़ न हो पाये। . इसके अलावा, बेंगलुरु मेट्रो रेल कार्पोरेशन (बीएमआरसीएल) के साथ एक करार भी किया है। इससे दर्शकों को यात्रा में आराम रहे। मैच के दिन मेट्रो सेवाएं रात 1 बजे तक चलेंगी। मैच टिकट रखने वाले दर्शकों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। बीएमआरसीएल भीड़ को नियंत्रित करने सभी रूट्स पर ट्रेनों का परिचालन भी बढ़ा सकता है। केएससीए ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के चारों ओर छह नए गेट बनाए हैं और पुराने गेट्स को चौड़ा किया है ताकि लोग आसानी से निकल सकें।

मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा : द्रविड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली है उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं। भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवार्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवार्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवार्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं।

शाहिद अफरीदी ने पाक टीम की बदहाली पर पीसीबी को लगायी फटकार

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को टी20 विश्वकप के बाद बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी हार का सामना करना पड़ा है। इससे अब टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं क्योंकि सभी लोग उसकी आलोचना कर रहे हैं। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम के साथ ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भी आड़े हाथों लिया है। अफरीदी ने यहां तक की टीम के कप्तान और अपने दामाद शाहीन शाह अफरीदी को भी फटकारा है। उन्होंने कहा कि पीसीबी ने शाहीन को कप्तान बनाकर गलती की है। इससे पहले विश्वकप के बाद भी अफरीदी ने शहीन के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जतायी थी। पिछले कुछ महीनों से सीनियर अफरीदी लगातार शहीन के खेल पर सवाल उठा रहे हैं। यहां तक कि विश्वपवर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली हार के बाद उन्होंने शाहीन को टीम से बाहर करने को तक कहा था। तब उन्होंने कहा था कि अगर कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है तो उसकी जगह किसी उभरते खिलाड़ी को अवसर देना चाहिये।

चयन समिति पर भी उठाये सवाल

अफरीदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने पीसीबी और चयन समिति के फैसलों की आलोचना की है। अफरीदी ने शहीन का नाम लिए बिना कहा, आपने 2026 टी20 विश्व कप में प्रदर्शन देखा और उसके बाद हम बांग्लादेश सीरीज भी 2-1 से हार गए। मेरी नजर में चयन समिति की आलोचना जरुरी है। साथ ही कहा कि इसमें शामिल सभी ने काफी क्रिकेट खेली है, फिर भी वे ये समझ नहीं पाये हैं कि किस प्रारुप के लिए किसे कप्तान बनाना चाहिए उन्होंने साथ ही कहा, अगर आप बदलाव के नाम पर बहुत सारे फैसले लेते रहते हैं। आप ऐसे युवा खिलाड़ियों को चुन रहे हैं जिन्होंने कुछ ही फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं तो ये सही नहीं है। आजकल घरेलू क्रिकेट का स्तर इतना अच्छा नहीं रहा है कि वह लगातार ऐसे खिलाड़ी तैयार कर सके जो पाकिस्तान टीम में अपनी जगह पक्की कर सकें।

आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी और एसआरएच को बड़ा झटका

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से पहले रायल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को बड़ा झटका लगा है। आस्ट्रेलियाई खेल वेबसाइट कोड स्पोर्ट्स की रिपोर्ट्स के अनुसार आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दोनों खिलाड़ी फिलहाल अपनी चोटों की वजह से पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बैंगलुरु टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और एड़ी की नस से जुड़ी समस्या के कारण लंबे समय से बाहर हैं। माना जा रहा है कि वह कम से कम टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। उन्होंने पिछले करीब पांच महीनों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नही खेला है। पिछले सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 22 विकेट लेकर टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हैदराबाद टीम के कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और 28 मार्च को बैंगलुरु के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में शुरुआती मुकाबलों में ईशान किशन टीम की कप्तानी संभाल सकते हैं। कमिंस ने अपने आईपीएल करियर में अब तक 72 मुकाबलों में 79 विकेट लिए हैं। वहीं, पिछले दो सत्रों में उन्होंने हैदराबाद के लिए 30 मैचों में 34 विकेट हासिल किए हैं।

राफिन्हा की हैट्रिक से बार्सिलोना ने सेविला को 5-2 से हराया, ला लीगा में नंबर एक स्थान पर बरकरार

मैड्रिड

बार्सिलोना ने स्पेनिश ला लीगा फुटबाल लीग में सेविला को 5-2 से हराकर अपना नंबर एक स्थान बनाये रखा है। बार्सिलोना के अब सबसे अधिक 4 अंक हो गयी है। उसकी जीत में तीन गोल करने वाले राफिन्हा की मुख्य भूमिका रही। इस मैच में कोच हंसी फ्लिक ने आगामी चैंपियंस लीग को देखते हुए लैमिन यामल और फर्मिन लोपेज जैसे स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था। इसके बाद भी बार्सिलोना मुकाबले में हावी रही। उसने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाते हुए आक्रामक खेल दिखाया। मैच के सातवें मिनट में ही बार्सिलोना को पैनाल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में राफिन्हा ने कोई गलती नहीं की। कुछ सही समय बाद एक और सेविला के एक खिलाड़ी के फाउल के कारण एक और पैनाल्टी टीम को मिली। जिस पर भी राफिन्हा ने गोल दाग दिया और स्कोर 2-0 पहुंचा दिया।

पहले हाफ के 38वें मिनट में डैनी ओल्मो ने बार्सिलोना की ओर से तीसरा गोल दागा। इसके बाद इंजरी टाइम में सेविला के खिलाड़ी ओसो को एक गोल करने का अवसर मिला जिससे मध्यांतर तक स्कोर 3-1 हो गया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही राफिन्हा ने तीसरा गोल करते हुए हैट्रिक लगाने के साथ ही अपनी टीम की बढ़त 4-1 पहुंचा दी। इसके बाद जोआओ कैंसेलो ने एक और गोल दागकर स्कोर 5-1 कर दिया। । मैच के अंतिम क्षणों में सेविला के जिब्रिल सो ने हेडर के जरिए दूसरा गोल किया पर तब तक काफी देर हो गयी और बार्सिलोना ने 5-2 से मुकाबला जीत लिया

वहीं एक अन्य मुकाबले में रियल ने ओसासुना को 3-1 से पराजित किया। मिकेल सोसिएदाद की ओर से ओयारजाबाल, बेनाट टुरिएंटेस और गोंकालो गुएडेस ने गोल दागे। वहीं मैलोर्का ने भी शानदार वापसी करते हुए एस्पेनयोल को 2-1 से हराया।

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हाकी टूर्नामेंट का दमदार आगाज़, खालसा, किरोड़ी मल और विवेकानंद कालेज की शानदार जीत

नई दिल्ली

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हाकी (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट का आगाज़ मंगलवार को मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कालेज के मैदान पर शानदार मुकाबलों के साथ हुआ। पहले दिन पुरुष वर्ग में खालसा कालेज और किरोड़ी मल कालेज, जबकि महिला वर्ग में विवेकानंद कालेज ने प्रभावशाली जीत दर्ज की।

पुरुष वर्ग के मुकाबले में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कालेज ने इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान (आईजीआईपीईएस) को 6-0 के बड़े अंतर से पराजित किया। खालसा कालेज की जीत के नायक रहे विपिन, जिन्होंने चार गोल दागे, जबकि मनीष और तनुज ने एक-एक गोल का योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए विपिन को मैन आफ द मैच चुना गया।

एक अन्य मुकाबले में किरोड़ी मल कालेज ने सेंट स्टीफंस कालेज पर 11-2 की एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच में समर सिंह और रोहित डांगी ने चार-चार गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए समर सिंह को मैन आफ द मैच से नवाजा गया।

महिला वर्ग के मुकाबले में विवेकानंद कालेज ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज को कड़े संघर्ष में 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल महिमा ने 58वें मिनट में किया। हालांकि, सराहनीय प्रदर्शन के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज की मोनिका को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में पीएसपीबी के सलाहकार श्री ललित वत्स मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता त्यागी विशिष्ट अतिथि रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने अनुभव साझा किए। टूर्नामेंट का उद्घाटन एसजीटीबी खालसा कालेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद के सहायक निदेशक डा. सुशील कुमार तथा पद्मश्री सम्मानित डा. रवि चतुर्वेदी की उपस्थिति में किया गया। गौरतलब है कि टूर्नामेंट का लाइव प्रसारण द कम्प्लीट साल्यूशंस स्पोर्ट्स प्लेटफार्म पर किया जा रहा है।

लेटेस्ट हेयर एक्सेसरीज...

आपकी खूबसूरती बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका आपके बालों की होती है अगर आप बनना चाहती है पार्टी की शान तो ट्राई करें ये लेटेस्ट स्टाइल की हेयर एक्सेसरीज से और दिखें सब से अलग। ऊंचा जूड़ा बनाकर उसके चारों ओर फोम डोनट लगाएं। फिर सिल्वर ब्रॉच हेयर एक्सेसरीज लगाएं या बन के चारों ओर पर्ल स्ट्रिंग लपेटें। बनना हो पार्टी की शान तो ढीले जूड़े पर सिल्वर वायर बैरेट अच्छा लगता है। ग्लैम लुक के लिए बालों को बाहर की तरफ कर्ल करके बीच-बीच में पर्ल हेयर पिंस लगाएं। क्लीन हाई पोनी के साथ साइड में कलर्ड स्टोन वाली बॉबी पिन काफी पसंद की जा रही है। बोहेमियन लुक के लिए सेंटर पार्टिंग करें और एक सुंदर सा हेड बैन्ड लगाएं।

क्लासी रिस्ट वॉच...

खूबसूरत गोरी कलाई पर जब शानदार वॉच पहनी हो तो देखने वालों की नजरें अटक जाती हैं। वॉच आपके आम-से लुक को स्टाइलिश बना सकती है और इनकी स्टाइलिश अपील आपको हॉट लुक देती है। जिन लोगों को खास मौकों के लिए स्टाइलिश दिखना पसंद है उनके लिए अपनी कलाई में एक्स्ट्रा कैरट उठाना कोई ज्यादा मुश्किल नहीं होता। वॉचेज के यूनीक डिजाइन ग्लैमर वर्ल्ड में बेहद पसंद किए जाते हैं। ये वॉचेज उनकी स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी हैं। वे जहां भी जाती हैं, वॉचेज अपना लाउड इम्पैक्ट बना लेती हैं। इन वॉचेस की खूबसूरती बढ़ाते हैं इनमें जड़े बेशकीमती डायमंड्स। वैसे भी डायमंड्स महिलाओं के दिल के बेहद करीब होते हैं। इन वॉचेस की खूबसूरती देखकर यकीनन आप भी इन्हें खरीदना चाहेंगी।

पैरों में हो कुछ खास...

अक्सर हम सभी मौसम के बदलते ही अपनी त्वचा और वॉर्डरोब को मौसम के हिसाब से बदल लेते हैं। हम सभी मौसम के हिसाब से ही कपड़े, जूते आदि पहनते हैं। आज हम आपको गर्मियों के मौसम में पहनने वाले कुछ फुटवीयर्स के बारे में बताएंगे। फैशन के इस दौर में आजकल महिलाएं सबसे अलग दिखने के लिए एनिमल प्रिंट की बैलेरीनाज बहुत ज्यादा पहनती हैं। चाहे वह पार्टी हो या हर रोज पहनने वाले फुटवियर। यह प्रिंट सभी पर अच्छा लगता है। ज्यादातर युवतियां शिमरी बैलेरीनाज को पार्टी में पहनती हैं क्योंकि इसका शिमर ड्रेस को कॉम्प्लीमेंट करेगा और आप को चलने में आराम भी रहेगा। इसे पहन कर पार्टी में आपके पैर चमकते दिखाई देंगे। अगर आप जींस या क्रॉप्ड पैंट्स पहनकर बाहर जाना चाहती हैं तो टैस्ल्ड बैलरीनाज पहन कर जाएं। इसे पहने से आपकी लुक को अलग ही स्टाइल मिलेगा। क्रोशिए से बने जूते पहनने में आरामदायक तो होते ही हैं, साथ ही देखने में भी बहुत सुंदर लगते हैं।

चिलचिलाती गर्मियों में आपको चिल करने का राज आपके पास खुद है। मौसम चाहे जैसा हो आपको बस थोड़ा वॉर्डरोब पर ध्यान देने की जरुरत होती है। तेज धूप वाले इस मौसम में पसीना आना आम बात है लेकिन आप ऐसे में कूल बने रह सकती हैं। आपको बताते हैं कि गर्मी के इस सीजन में आप आउटफिट और अपने स्टाइल के जरिए खुद को कैसे रखें कूल। आपके वॉर्डरोब को स्टाइलिश बनाने का हॉट सीजन शुरू हो गया है।

आया मौसम फैशन का...

कुछ मौसम ही फैशनेबल होते हैं। गर्मी का मौसम भी ऐसा ही है। आपकी सहूलियत और मिजाज के अनुरूप ढेरों कपड़े आपको इस मौसम में मिल जाएंगे। मौसम का मिजाज बदलते ही, कपड़ों का अंदाज भी बदल जाता है। सर्दियां जाते ही गर्म कपड़ों की जगह हल्के-फुल्के और आरामदायक कपड़े ले लेते हैं। गर्मियों में कपड़ों को पसंद करते समय हमारी कोशिश यही रहती है कि ऐसे कपड़े पसंद किए जाएं, जो बजट में हों, जिनमें गर्मी कम लगे और साथ में फैशनेबल, ट्रेंडी और कूल लुक दें। कुछ कपड़े ऐसे भी होते हैं, जो साल दर साल फैशन में बने रहते हैं। आपकी समझदारी इसी में है कि आप शॉपिंग करते वक्त अपने लिए ऐसे कपड़ों का चुनाव करें, जिनका चलन कभी खत्म नहीं हुआ है और न होगा। इन गर्मियों के लिए कुछ ऐसे ही सदाबहार कपड़ों के बारे बात करते हैं, जो इस मौसम में राहत देने के साथ आपको ट्रेंडी लुक भी देंगे।

क्रॉप टॉप का चलन

बॉलीवुड में क्रॉप टॉप का खूब चलन है। खासकर प्रियंका चोपड़ा को कई अवसरों पर क्रॉप टॉप में देखा गया है। क्रॉप टॉप, सामान्य टॉप के मुकाबले थोड़े छोटे होते हैं। टाइट फिटिंग वाले जींस, स्कर्ट और हाई वेस्ट पैंट के साथ ये खूब जंचते हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह हर महिला पर अच्छा लगता है। वजन ज्यादा हो या कम, कद छोटा हो या ज्यादा इसे हर युवती पहन सकती है। इस साल गर्मियों में इसे अपने वॉर्डरोब में जरूर शामिल करें।

मैक्सी ड्रेस बेहतर

गर्मी के मौसम के लिए मैक्सी ड्रेस सबसे बेहतरीन विकल्प है। आप इसे कभी भी पहन सकती हैं। ये बेहद आरामदायक होते हैं। टखने तक लंबाई वाले मैक्सी ड्रेस इन दिनों खूब चलन में हैं। मैक्सी ड्रेस ज्यादातर फ्लोरल प्रिंट में ही आते हैं। बाजार में सफेद, मोव और आंखों को सुकून देने वाले अन्य रंगों के मैक्सी ड्रेस मौजूद हैं। मैक्सी ड्रेस को किसी अच्छे नेक पीस के साथ पहनें तो इससे आपके रूप में चार चांद लग जाएगा।

आरामदेह जम्प सूट

जम्प सूट ट्रेंडी, फैशनेबल होने के साथ-साथ आरामदेह भी होता है। बाजार में जम्प सूट के कई रेंज मौजूद हैं। कुछ टखने तक लंबाई वाले हैं तो कुछ घुटनों तक। वहीं कुछ जम्प सूट शॉर्ट्स की लंबाई जितने भी हैं। इसे आप कभी भी और कहीं भी पहन सकती हैं। स्टाइलिश और आरामदेह लुक के लिए इसे अपना स्टाइल स्टेटमेंट जरूर बनाएं।

सदाबहार शॉर्ट्स

शॉर्ट्स का फैशन कभी पुराना नहीं होता। यह सदाबहार है। लगभग हर युवती के पास एक डेनिम शॉर्ट्स तो होता ही है। पर इन गर्मियों में कुछ नया करें। क्यों न आप इस बार फ्लोरल प्रिंट वाले शॉर्ट्स घर ले आएं। आप स्ट्रिप्स और चेक वाले शॉर्ट्स भी खरीद सकती हैं। जरा सा बदलाव आपके अंदाज को निखार देगा।

ए लाइन स्कर्ट

युवतियों को स्कर्ट बेहद पसंद आते हैं। यहां तक कि कुछ इसे गर्मियों के लिए अपना स्टाइल स्टेटमेंट भी बना लेती हैं। घर, बाहर, कॉलेज या पार्टी आप कहीं भी स्कर्ट पहन सकती हैं। स्कर्ट की खास बात यह है कि इसका दौर कभी खत्म नहीं होता। इस बार आप ए लाइन स्कर्ट को आजमा सकती हैं। जहां एक तरफ यह बिल्कुल साधारण और आरामदायक लगते हैं, वहीं दूसरी ओर पूरी तरह फैशनेबल। सबसे जरूरी बात बताएं कि स्कर्ट पहनने के बाद हर युवती की उम्र कम से कम दो साल घट जाती है।

स्ट्राइप्स जरूर पहनें

इन गर्मियों में स्ट्राइप्स जरूर पहनें। सफेद और काले रंग के स्ट्राइप हमेशा चलन में रहते हैं। लेकिन आप दूसरे रंग भी अपना सकती हैं। यदि आपका वजन ज्यादा है और कद छोटा है तो लंबाई वाले स्ट्राइप पहनें। इससे आपका कद भी ऊंचा लगेगा और आप फैशनेबल भी दिखेंगी।

स्कार्फ हमेशा हो साथ

वैसे भी कहा जाता है कि मौसम कोई भी हो, लड़कियों के बैग में एक स्कार्फ हमेशा होना चाहिए। माथे पर लपेट लें तो धूप से बचेंगी, इससे चेहरे को ढंक लें तो धूल और प्रदूषण से बचाव हो जाएगा। वहीं बरसात और सर्दी में भी स्कार्फ खूब काम आता है। यानी स्कार्फ एक ऐसा कपड़ा है, जो मौसम के साथ नहीं बदलता और न ही इसकी उपयोगिता कम होती है। कुछ खास कपड़ों पर स्कार्फ बहुत जंचते हैं। गर्मी के मौसम में सूती स्कार्फ खरीदें। डिजाइन ऐसा चुनें, जो हर तरह की ड्रेस के साथ अच्छा लगे।

लॉन्ग कुर्तियां

एक बार फिर लंबी कुर्तियों का सीजन इन है। ऐसे में हल्के रंग की लॉन्ग कुर्ती के साथ आप प्लाजो पहनिए। जहां एक तरफ प्लाजो गर्मियों में बेहद आरामदायक होते हैं वहीं दूसरी तरफ आपको बेहद ही स्टाइलिश लुक भी देते हैं।

स्टाइलिश प्लाजो

प्लाजो के साथ आप ट्रेंडी टॉप्स भी कैरी कर सकती हैं साथ ही टीशर्ट भी अच्छे दिखेंगे। थोड़ा और स्टाइल में रहना हो तो आप टॉप या टीशर्ट के साथ कलरफुल स्टॉल्स या स्कार्फ भी ट्राइ कर सकती हैं।

डेनिम ड्रेसिंग से जुड़े टॉप ट्रेंड्स

रफ एंड टफ लुक की बात हो या कैजुअल फंकी लुक, डेनिम सबसे सेफ ऑप्शन है। इसलिए हर किसी के वॉर्डरोब में डेनिम का कोई न कोई आइटम जरूर होता है। हालांकि, कुछ वक्त पहले तक डेनिम का मतलब केवल जींस माना जाता था। लेकिन जैसे जैसे लोगों ने फैशन को गंभीरता से लेना शुरू किया, डेनिम को फैब्रिक का दर्जा मिल गया। आलम ये है कि अब लोगों के वार्डरोब में डेनिम की जींस के अलावा जैकेट, स्कर्ट, शर्ट को भी जगह मिल गई है। लेकिन अहम बात ये है कि हम इसे कैरी कैसे करते हैं।

हाई वेस्ट जींस

हाई वेस्ट जींस एक बार फिर फैशन में हैं। इन्हें सफेद रंग की टीशर्ट के साथ टीम-अप करें। गर्मियों में अपना आउटफिट और भी दिलचस्प बनाना है तो साथ में रंगीन जूते और फंकी जूलरी पहनें।

डबल डेनिम

डेनिम शर्ट और डेनिम जींस एक साथ कैरी करना डबल डेनिम कहलाता है। सबसे खास बात ये कि आपके पास चाहे जिस भी शेड की शर्ट और जींस हो, अगर आप एक साथ पहनेंगे तो भी जंचेंगे। वैसे, आमतौर पर सेफ लुक के लिए जींस से एक-दो शेड हल्के रंग की शर्ट पहनें।

डेनिम जंपर

छुट्टियों के दौरान या दोस्तों के साथ गेट टुगेदर के लिए कैजुअल और फैशनेबल लुक चाहिए तो डेनिम जंपर से बढ़िया कुछ नहीं हो सकता। इन्हें आप स्ट्राइप्स वाले क्रॉप टॉप या प्लेन टीशर्ट के साथ पहनें।

डेनिम जैकेट

अगर आप अपने आम टी-शर्ट-जींस वाले गेटअप से बोर हो गई हैं, तो ऊपर से डेनिम जैकेट पहनें, प्रॉब्लम सॉल्व। ये काम आप लॉन्ग स्कर्ट और लेस टॉप के कॉम्बिनेशन के साथ भी कर सकते हैं।

डेनिम ड्रेस

डेनिम ड्रेस या फ्रॉक हर महिला के वॉर्डरोब में होना चाहिए। इसके साथ स्टेटमेंट नेकपीस या प्रिंटेड स्कार्फ जरूर कैरी करें। डेनिम के साथ सबसे बड़ी सहूलियत ये है कि इन्हें मेनटेन करने में भी ज्यादा परेशानी नहीं होती है। अगर आयरन नहीं भी किया तो भी चलेगा।

ध्यान से करवाएं हेयर कट...

हर महिला चाहती है कि वह स्टाइलिश दिखे। इसके लिए वह अपनी पर्सनेलिटी को डिफरेंट लुक देने के लिए अलग-अलग तरह के हेयर कट करवाती हैं। ऐसे में अगर हेयर स्टाइलिस्ट से आपका हेयर कट गलत हो जाए तो आपके बाल भद्दे दिखाई देते हैं। इसलिए हमेशा ध्यान से ही हेयर कट करवाएं क्योंकि जरूरी नहीं है कि हर बार लिया गया हेयरकट आपको खुशी दे। आज हम आपके भद्दे हेयर कट को अच्छा करने के बारे में कुछ बातें बताएंगे।

घर पर कोशिश न करें

अगर आप पार्लर से बाल कटवाती हैं और आपके हेयर स्टाइलिस्ट ने आपकी हेयर कट खराब कर दी है तो उसे अच्छे से समझाएं कि आपको किस तरह का लुक चाहिए। साथ ही उसे कारण बताएं कि क्यों आपके हेयर कट खराब हुए हैं। आप घर पर खुद से भद्दे हेयर कट बदलने की कोशिश करें। ऐसा करने से आप और भी भद्दी दिख सकती हैं।

नया हेयर स्टाइल

अगर आप भद्दे हेयर कट को अच्छा करना चाहती है और गुड लुक दिखना चाहती है, तो ऐसे में आप अपने बालों को नया हेयर स्टाइल दें। इसके लिए अपनी डिजाइनर से बालों को अच्छे से काट कर नया हेयर स्टाइल देने के लिए कहें। आप बालों पर अलग अलग स्टाइल आजमाएं और देखें कि किस तरह का स्टाइल आप पर ज्यादा अच्छा लगता है।

बालों को कर्ली कर लें

अगर आपके बाल भद्दे हेयर कट होने के कारण अच्छे नहीं दिखाई देते हैं तो आप अपने बालों पर कर्ली कर सकती हैं। ऐसा करने से आपकी लुक भी बदल जाएगा और यह आपके भद्दे लुक को छिपा सकता है।

नए एक्सेसरीज ट्राई करें

आप नए हेयर स्टाइल के लिए कुछ एक्सेसरीज ट्राई कर सकती हैं। इसे लगाने से आपके बुरे और भद्दे कटे बाल छुप सकते हैं। इसे ट्राई करने से आप फैशनेबल तो लगेगी ही साथ ही खूबसूरत भी दिखेंगी।

ऐसे करें बालों को स्ट्रेट

ज्यादातर देखा जाता है कि महिलाएं अपने बालों को स्ट्रेट करने के लिए बहुत से महंगे उत्पाद लेकर लगाती हैं, लेकिन आज हम एक आसान सा तरीका लेकर आए हैं जिसे आजमाने से आप अपने बाल घर पर ही स्ट्रेट कर सकती है। नारियल दूध से आपके बाल मजबूत,लंबे और घने हो जाते हैं। यह बालों की जड़ों को पोषण देकर उन्हें मजबूत करता है। यह उलझे बालों के आसानी से सुलझा देता है। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो इन्हें सीधा करने के लिए आप नींबू और नारियल का दूध लगा सकती हैं। इसे लगाने से बालों में रूसी दूर होती है और शाइन आती है क्योंकि इसमें आयरन और मैगनीज होते हैं। इसे लगाने से बालों का झड़ना और टूटना भी बंद हो जाता हैं। एक कटोरी में नींबू का रस और नारियल का दूध लेकर अच्छे से मिक्स करने पैक बना लें। इस पैक को आप अपने बालों पर लगाकर सूखने दें। जब बाल सूख जाएं तो इन्हें गुनगुने गर्म पानी से धो लें। नारियल का कंडीशनर बना कर लगाएं। सबसे पहले एक नारियल लेकर उसे घिस कर या फिर ब्लेंड करके इसका दूध निकाल लें। अब इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें मिला कर पूरी रात फ्रिज में रख दें। सुबह उठ कर इस मिश्रण को फ्रिज में से निकाल लें। निकालने पर इसकी एक क्रीमी परत बन गई होगी। आप इस परत को अपने बालों और सिर की त्वचा पर लगाएं। लगाने के बाद एक गर्म तौलिया लेकर उसे सिर पर एक घंटें के लिए लपेट कर छोड़ दें। एक घंटे के बाद में इसे पानी से साफ कर लें और चौड़े दांतों वाली कंघी से बाल बनाएं। बालों को स्ट्रेट करने के लिए इस विधि का प्रयोग हफ्ते में कम से कम तीन बार करें।

कभी स्विच ऑफ नहीं होते दिमाग व शरीर

स्वस्थ रहने के लिए नींद की एक मुख्य भूमिका है, लेकिन कई लोग या तो पर्याप्त नींद नहीं ले पाते या बहुत अधिक नींद लेते हैं । एक हालिया अध्ययन में यह दिखाया गया है कि अधिक सोने से स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। तो आइए आज हम जानते हैं कि नींद से संबंधित भ्रांतियों के बारे में जिन्हें दूरे करने से हम स्वस्थ रह सकते हैं।

इस बारे में न करें चिंता

हम में से कुछ लोग 6 या 7 घंटे की नींद लेकर अच्छा काम करते हैं, जबकि कुछ लोगों को 8 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। जब बात नींद की आती है तो कोई एक समय सब के लिए फिट नहीं बैठता। यदि आप स्वस्थ तथा अच्छा महसूस करते हैं तो इस बात की चिंता छोड़ दें कि आपने पर्याप्त नींद ली है या नहीं। लंबे समय तक अर्थात 10 घंटे से अधिक सोना उतना ही नुकसानदायक है जितना कि 6 घंटे या उससे कम सोना। लंबे समय तक सोने से शरीर के विभिन्न अंगों तक रक्त प्रवाह की गति धीमी हो जाती है और इससे ब्लड शूगर के स्तर पर भी प्रभाव पड़ता है, जिससे हृदय रोग, स्ट्रोक तथा डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। एक निर्धारित समय तक सोना और जागना जरूरी है।

...तो कसरत से नुकसान

हमारे दिमाग और शरीर कभी भी स्विच ऑफ नहीं होते। वे लगातार यादें सहेजने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को ताकतवर बनाने, शरीर में से विषैले तत्वों को बाहर निकालने तथा ब्लड शूगर को नियंत्रित करने जैसे कार्य करते रहते हैं। जैसे-जैसे हम बूढ़े होते जाते हैं हमारी नींद की गुणवत्ता गिरती जाती है और हमारी नींद के पैटर्न में परिवर्तन देखने को मिलता है। जैसे थोड़े अंतराल पर जागना, गैर- आरईएम नींद की कमी या अधिक ऊंघना। कसरत अच्छी गुणवत्ता वाली नींद के लिए ठीक है, लेकिन अधिक ज्यादा कसरत जो सोने के समय के नजदीक की जाए, वह हमारे लिए नुकसानदायक होगी।

वेडिंग सीजन का लेटेस्ट ब्राइडल फैशन

क्लासी लुक के साथ ही पाएं परंपरागत डिजाइन

इन दिनों शादियों का दौर चल रहा है। वेडिंग सीजन में पुराने अम्ब्रेला कट घाघरा व चोली बिलकुल आउट है। उनकी जगह ले ली है नए वेडिंग लुक ने। इन दिनों लहंगों की जगह ले ली है स्लीम लांग स्कर्ट्स ने, जिन्हें फिगर हगिंग लॉन्ग स्लीव्स ब्लाउजेस के साथ मैच किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ब्राइडल विअर में ड्रेपिंग भी इन है व इस वजह से साड़ी को लहंगों के साथ भी मिक्स एंड मैच किया जा रहा है। साड़ी गाउन भी काफी चलन में है। अगर आप भी भावी दुल्हन के लिए पोशाक चुनने बाजार का रुख कर रहे हैं तो जरा इन बातों पर भी ध्यान दे दीजिए। कह सकते हैं कि 21 सेंच्यूरी की ब्राइड्स का लुक अब इंटरनेशनल लुक व फील लिए हुए है और वेस्टर्न फैशन से भी काफी हद तक प्रभावित है। तो आज हम आपको बताएंगे कि क्या फैशन में है क्या नहीं।

नेट, वेलवेट भी फेवरेट लिस्ट में शामिल

लहंगों के फेब्रिक की बात करें तो उसमें भी ब्राइड्स की चॉइस केवल सिल्क तक लिमिटेड नहीं रही, बल्कि नेट, वेलवेट भी ब्राइड्स की फेवरेट लिस्ट में शामिल है। ब्लॉक प्रिंट, एम्ब्राइडरी आदि के साथ विभिन्न फेब्रिक्स और पैटर्न्स के साथ मिक्स एंड मैच करे हुए लहंगे चुनने में भी ब्राइड्स बिलकुल नहीं हिचकिचा रही। डिजाइनर साड़ियों की बात करें तो इनमें भी ज्यादा ध्यान ऑर्नेट ब्लाउजेस पर दिया जा रहा है। साड़ी हो या लहंगा, इनकी चोलियों की डिजाइनिंग को खास तवज्जो दी जा रही है। चोलियों की स्लीव्स, बेक, फ्रंट, नेक सभी की डिटेलिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। कुछ समय पहले तक जहां स्लीव्स को केप स्लीव्स रखा जाता था, वहीं अब इन्हें शॉर्ट, थ्री-क्वार्टर से लेकर लांग तक रखा जा रहा है।

जापानीज क्रेंस है चलन में

जो लोग थोड़ा हैवी लुक पसंद करते हैं वे चमक-दमक वाले विक्टोरियन गाउंस चुन सकते हैं। इन दिनों कारीगरी में जापानीज क्रेंस और चैरी ब्लॉसम्स बहुत चलन में है, जो लहंगे में चार-चांद लगा रहे हैं। इसके साथ थीम को मैच करते किमोनो स्टाइल के ब्लाउज भी खास चलन में हैं। ब्राइडल आउटफिट्स में होने वाली एम्ब्राइडरी अब थीम से इंस्पायर्ड हो गई है। परशियन कारपेट्स, रोज, क्रिस्टल्स, चैरी ब्लॉसम्स जैसी थीम्स बहुत 'इन' है। ट्रेडिशनल रेड या फ्यूशिया कलर अब भी पॉप्यूलर है, वहीं ब्राइड्स इन दिनों ब्राउन, बेज, पिंक, ब्लू, एमरल्ड ग्रीन, वाइन, मरून, रस्ट जैसे कलर्स भी पसंद कर रही हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**